

नारी शक्ति ने विश्व फलक पर लहराया परचम

कराया, जिन्होंने 101 रन की पारी खेली और इस फाइनल में निर्णायक भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा, महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का फाइनल में प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा रहा। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम दक्षता और दृढ़ता दिखाई। खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई।

 **10**पर

पदयात्रा ने युवराज को
ही पैदल कर दिया

भारत का 'अंतरिक्ष प्रहरी' तैयार

सोना : 1,24,470/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,53,221/-
(प्रति किलोग्राम)



मिथ्यात्व से सम्यक्त्व की ओर ले जाने वाला मार्ग है संयम मार्ग: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में आयोजित दीक्षार्थी बहन डॉ. कोमल छाजेड़ के अभिनंदन समारोह में साध्वी नंदिनी ने कहा कि दीक्षा घर से निवृत्ति और आत्म-साधना की प्रवृत्ति है।

यह आध्यात्मिक विकास, आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग की ओर ले जाने वाला पावन पथ है। दीक्षा शारीरिक सुखों का अंत नहीं, बल्कि मानसिक दुःखों का अंत है। संयम अंगीकार करना कोई खेल नहीं है, यह जीवन की पराकाष्ठा पर चलने का सुन्दर मार्ग है जो मिथ्यात्व से सम्यक्त्व की ओर ले जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि वीतराग की यह नन्ही कली संयम के फूल बनने हेतु जीवन में कदम बढ़ा रही है। गुरु-गुरुनी की आज्ञा में जीवन का निर्वाहन ही सच्चा संयम है। दीक्षा लेना जितना कठिन है उससे भी कठिन संयम की पालना करना है। दीक्षार्थी को जिनशासन की



गरिमा बढ़ानी होगी और अपनी प्रतिज्ञा का दृढ़ पालन करना होगा। संयम जीवन में सहनशील बने और गुरु आज्ञा का पालन करे। आपकी संयम यात्रा स्वाध्याय, तप, ज्ञान और साधना से परिपूर्ण रहे, यही शुभकामना है। मुमुक्षु डॉ. कोमल छाजेड़ ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि कोई धन को, कोई सत्ता को, कोई पद को दुर्लभ बताता है,

परंतु प्रभु महावीर कहते हैं कि धन मिलना सरल है, किंतु मनुष्य भव, धर्म और धर्म के प्रति श्रद्धा अत्यंत दुर्लभ है। संयम का बीज-रोपण ही सम्यक्त्व की दिशा में पहला कदम है। सम्यक्त्व के बिना मोक्ष मिलना असंभव है। इच्छाओं को बढ़ा दे उसे 'राग' कहते हैं और इच्छाओं को घटा दे उसे 'वैराग्य'। यह अभिन्दन मेरा नहीं, महावीर के शासन का

है। उन्होंने सभी को साध्वी डॉ सत्यसाधना के सानिध्य में जामनेर (महाराष्ट्र) में 16 जनवरी 2026 को आयोजित अपने दीक्षा महोत्सव में सादर आमंत्रित किया।

इस अवसर पर मुमुक्षु डॉ. कोमल छाजेड़ का संघ की ओर से खोल भराई एवं अभिन्दन किया गया। कार्यक्रम में संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया,

उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगत, किशोरकुमार दलाल, आवास निवास चेयरमैन ज्ञानचंद लोढ़ा, भोजन समिति चेयरमैन शांतिलाल चानोदिया एवं उनकी टीम सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। साथ ही त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना, त्रिशला बहु मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, ममता बागरेचा, राजाजीनगर युवा मंत्री नमित कोठारी, महावीर जैन पाठशाला से कांता बागरेचा, जिनेश्वर युवा अध्यक्ष विशाल गांधी, मंत्री आयुष भलगत, ब्राह्मी कन्या मंडल मंत्री सान्या जैन तथा अन्य अनेक पदाधिकारी, कार्यकारिणी और सदस्यगण ने कार्यक्रम में सहभागिता प्रदान की। समस्त साध्वीमंडल ने मुमुक्षु बहन को संयम यात्रा की शुभकामनाएं दीं। समारोह के अंत में साध्वी निर्मला ने मंगलपाठ दिया। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने एवं संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सत्य की अग्नि भले जलाती है पर वही शुद्ध करती है: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्पोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन एक विशाल परीक्षा है, जिसमें हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में परखा जाता है। कोई इसे भाग्य की कसौटी कहता है, कोई कर्मों का फल और कोई इसे ईश्वर की परीक्षा। पर सच्चाई यह है कि यह सत्य की अग्नि ही है, जिसमें तपकर ईशान अपना वास्तविक स्वरूप प्राप्त करता है। जिस प्रकार कच्चा सोना भट्टी में जलकर अपनी अशुद्धियों से मुक्त होता है, उसी प्रकार मनुष्य भी कठिनाइयों और संघर्षों से गुजरकर ही शुद्ध, स्थिर और तेजस्वी बनता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि जो व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है, उसका हर कदम एक चुनौती होता है। समाज उसे समझ नहीं पाता, लोग उसका मजाक उड़ाते हैं, विरोधी उसके रास्ते में कांटे बिछाते हैं, लेकिन वह व्यक्ति यदि डगमगाए नहीं, तो वही आगे



चलकर उदाहरण बनता है। सत्य की राह कठिन अवश्य है, परंतु उसी कठिनाई में छिपा है वह तेज, जो व्यक्ति को स्वर्ण बनाता है। दूसरी ओर, जो लोग छल-कपट, झूठ और धोखे के सहारे आगे बढ़ना चाहते हैं, वे कुछ समय तक तो सफल दिखाई देते हैं। लोग उनकी प्रशंसा भी करते हैं, उनकी चापलूसी में शामिल होती हैं, पर यह सफलता टिकती नहीं। क्योंकि झूठ की नींव पर खड़ा कोई भी महल स्थायी नहीं होता। छल का सहारा लेने वाला व्यक्ति कभी भीतर से शांत नहीं रह सकता। उसका मन सदा भय, असुरक्षा और पाखंड से ग्रस्त रहता है। सत्य की अग्नि भले

जलाती है, पर वही शुद्ध करती है। झूठ की छाया भले सुख देती है, पर वह धीरे-धीरे जीवन का तेज चुरा लेती है। जो व्यक्ति कठिनाइयों के बीच भी अपने सिद्धांतों और ईमानदारी को नहीं छोड़ता, वही वास्तव में अमर बनता है। इतिहास गवाह है कि झूठे और कपटी व्यक्ति समय के साथ मिट गए, पर सत्य के मार्ग पर चलने वाले लोगों का नाम आज भी श्रद्धा से लिया जाता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि बेंगलूरु से जीवदया ग्रुप ने दर्शन वंदन का लाभ लिया। संघ की ओर से बहुमान किया गया।

अन्नदान सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर द्वारा रविवार को सिटी मार्केट फ्लायओवर के नीचे अपना 33वां अन्नदान सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह पुण्य कार्य तांत्र्य एवं ऋद्धि लुंकड़ के जन्मदिन के शुभ अवसर पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शोभा चेयरमैन विजयरज सिसोदिया, मुख्य सचिव आशिक पिराल तथा सदस्य संजय भंडारी ने बढ़ाई। दानदाता महावीर चंद, नितेश कुमार, जनेश कुमार एवं तांत्र्य लुंकड़ ने अपने उदार सहयोग से इस सेवा कार्य को सफल बनाया। सेवा के अंतर्गत 500 से अधिक लोगों को भोजन कराया गया। साथ ही 1000 रेडीमेड ब्लाउज महिलाओं तथा



100 तैयार वस्त्र पुरुषों एवं महिलाओं को वितरित किए गए। यह आयोजन समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के प्रति संगठन की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर चेयरमैन विजयरज सिसोदिया ने कहा सच्ची सेवा वही है जो करुणा और संवेदना के साथ समाज के

हर कोने तक पहुंचती है। हम अपने सभी दानदाताओं और सदस्यों के आभारी हैं जिन्होंने इस पुण्य कार्य में सहयोग दिया। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर समाज सेवा के अपने संकल्प को पुनः दोहराते हुए आगे भी समर्पण और करुणा के साथ सेवा कार्य करता रहेगा।

श्री मरुधरा जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जोधपुर संभाग के 32 गांवों के जैन सदस्य जो बेंगलूरु में निवास करते हैं, का एक संघ 40 साल पहले बेंगलूरु में बनाया गया। जिसका नाम श्री मरुधरा जैन संघ रखा। बेंगलूरु में यही एक मात्र ऐसा जैन संघ है जिसमें 32 गांवों के परिवारों को जोड़ा गया है। श्री मरुधरा जैन संघ के अध्यक्ष डॉ. जवरिलाल लूनावत ने बताया कि संघ में कुल 319 परिवार हैं व साल में एक बार दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया जाता है।

तुमकुरु रोड स्थित भिक्षु धाम में संपन्न हुए इस स्नेह मिलन में 1200 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई व सभी के लिये बसों की व्यवस्था की गई थी। प्रवेश के समय सभी सदस्यों का स्वागत तिलक लगाकर



महिला मंडल द्वारा किया गया। डॉ. लूनावत ने बताया कि संघ की जनरल मीटिंग सुबह 10.30 बजे पंच परमेष्ठि जैन ध्वज व कर्नाटक राज्य के ध्वजारोहण से हुई। अध्यक्ष द्वारा सर्वप्रथम गत वर्ष दिवंगत हुए सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। फिर महिला मंडल के मंगलाचरण से मीटिंग की शुरुआत हुई। संघ के सदस्यों द्वारा अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये जिस पर चर्चा हुई। इस स्नेह

मिलन के लाभार्थी परिवार सोनीदेवी-केसरीमल बडेर-दुंदाडा,, अणचीदेवी-भंवरलाल-गुलेच्छा दुंदाडा, पानीदेवी-सुकनराज-मकाणा दुंदाडा, झमकूदेवी-बादरमल- श्रीश्रीमाल दुंदाडा, ढाबरचंद-महिपाल-कवाड-सालावास, धींगडमल-उत्तमचंद बडेर-अजीत कमलाबाई-देवीचंद सालेचा-भोरडा, मगीदेवी-भंवरलाल मुणोत-ढीढस, शांतिदेवी-चंपालाल पालरेचा दुंदाडा,

कमलादेवी-भंवरलाल भंडारी-दुंदाडा, उगमराज-भंवरलाल-भंडारी-भांवरी वालों का स्वागत किया गया।

इस वर्ष पहली बार प्रत्येक आयु वालों के लिये बोर्ड गेम की व्यवस्था के अलावा बच्चों के लिये अनेक तरह की खेलकूद प्रतियोगिता व क्रिकेट मैच रखा गया। 2026 के स्नेह मिलन के लाभार्थी परिवार का नाम आने से संघ में खुशी की लहर छा गई व लाभ लेने वाले कुंदमल, कुशाल

बाफणा दुंदाडा वालों का स्वागत किया गया। नवयुवक मंडल व महिला मंडल के अध्यक्ष व सचिव ने अपनी कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया व संघ के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि अपने परिवार से प्रत्येक महिला व नवयुवक को मंडल से जोड़कर मजबूत संगठन बनाएं।

मासखमण की तपस्या करने वालों एवं उच्च श्रेणी की शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। संघ के नवयुवक मंडल, महिला मंडल, संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों और अन्य कमेटियों के सदस्यों ने सभी व्यवस्था का जिम्मा बखूबी संभाला। अंत में सचिव अमृतलाल सालेचा व सहसचिव प्रवीण भंडारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रभु की वाणी सुनने का सभी को मिलता है सामान अवसर: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रभु की वाणी को सुनने का सभी को सामान अवसर मिलता है। चातुर्मास भी सभी के लिए होता है। पुण्य और पुरुषार्थ के अनुसार भावी जीव ऐसे अवसरों का लाभ उठा लेते हैं और कोई कोई घर आई गंगा को पाकर भी प्यासे रह जाते हैं। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में विदाई पूर्व अपने उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री



वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि यदि प्रभु की वाणी हृदय में रम जाती है तो यही संस्कार वटवृक्ष बन जाते हैं। हम भीड़ और भेड़ नहीं बने बल्कि

स्वयं के अस्तित्व को याद रखें। प्रत्याख्यान को आदत नहीं बल्कि आचरण बनाएं और नकारात्मक ऊर्जा को रोकने के लिए हमेशा

सकारात्मक रहें। संघ की ओर से विदाई संदर्भ में अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांढिया ने कहा कि संघ संयति वर्ग के माता पिता होते हैं। साध्वी वृंद ने संघ को जिनवाणी अमृत पान करा कर उपकार किया है। वे गोचरी लेते हैं तो बदले में सुपात्र दान का लाभ भी देते हैं। साध्वी श्री शशिप्रभा जी के चातुर्मास से अलसूर संघ को यश लाभ प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर रुचि मुथा, हिताशा मुथा, हितिका सांखला, ऋत्वि लोढ़ा, सुनीता बोरंडिया, सुनीता

कांकरिया, प्रमिला लोढ़ा, जैन युवक संघ के अध्यक्ष लोकेश तातेड, भरत गादिया, नवीन लोढ़ा ने अपने विचार रखे। जैन युवक संघ अलसूर ने विदाई गीत प्रस्तुत किया। देवांश बोरंडिया, हीतांशी भंडारी, कशीश लोढ़ा, करिश्मा खाबिया को इस चातुर्मास में प्रतिक्रमण कंठस्थ करने के लिए पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

हरियाणा दिवस व कन्नड़ राज्योत्सव मनाया



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरजापुर हरलूर रोड स्थित हरियाणा सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में हरियाणा भवन में रविवार को हरियाणा दिवस और कर्नाटक राज्योत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। संगीत कलाकारों ने फिल्मी व देश भक्ति गीतों से समा बांधा। उपस्थित लोगों ने गीतों का भरपूर आनन्द

लिया। इस अवसर पर चेयरमैन संजय रावलवासिया, सुभाष चंद्र गोयल, सचिव राजेश अग्रवाल, सोमनाथ बंसल, राजेंद्र गोयल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हरियाणा और कर्नाटक की फ्लैग होस्टिंग की गई। संजय रावलवासिया ने सभी का धन्यवाद करते हुए आभार जताया।

जानचंद मुथा, मनोजकुमार रांका, प्रदीपकुमार धोखा, शांतिलाल लुणावत, प्रेमकुमार मेहता, गौतमचंद नाहर, जम्बु कुमार धारीवाल, गौतम चंद कांकरिया, उगमराज फूलबागर, सज्जन राज पारसमणि, रुनवाल, दिलीप कुमार लुणावत, नवरत्नमल बम्ब, प्रकाश चंद दलाल की विशेष उपस्थिति रही। आशा लुकड़, रेखा लोढ़ा, नेहा लुकड़, अनीता कोचेटा, पायल तातेड, आशा सुराणा, चंदनबाला उषा तलेसरा, चेतना श्रीश्रीमाल, विभा विनायकिया, साधना मुथा, पुष्पा विनायकिया और मंजु बोहरा ने गीतिका प्रस्तुत की। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी एवं कनिका श्रीश्रीमाल ने चातुर्मास सम्बंधित विचार व्यक्त किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

जैन दिवाकर श्री चौथमलजी की जन्म जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को जैन दिवाकर श्री चौथमलजी की जन्म जयंती एवं चातुर्मासिक विदाई समारोह आयोजित की गई। गुरुदेव ने फरमाया कि मोह माया बहुत ही अलग होती है। गली में अगर कुत्ता रहता है तो लोगों को उससे भी मोह हो जाता है। ऐसे में भगवान की वाणी सुनने वालों से मोह होना तो स्वाभाविक है। इस दुनिया में कुछ भी मुश्किल नहीं है। जो लगातार चलता है उसे मंजिल जरूर मिल ही जाती है। कोई जहाज से जाता है, कोई ट्रेन से तो कोई पैदल जाता है। लेकिन समय के हिसाब से सभी अपनी मंजिल को पा ही लेते हैं। भगवान महावीर का संदेश देने के लिए हम यहां आए हैं तो लगाव स्वभाविक है। भगवान का संदेश हम हमारे

अपने शब्दों में बांटने का काम करते हैं। इसी कारण हमारे बीच में वात्सल्य भाव, प्रेम और आत्मीयता बना हुआ है। यही भाव संतों के प्रति सदा रहना चाहिए। धर्म की राह पर चल कर जीवन का कल्याण करते रहें। हमने गुरुव-णी को सुनाया और आपने बड़े प्रेम भाव से सुना। हमने पाया है इसलिए आपके सामने बोलने लायक हुए हैं। सब कुछ शब्दों का ही खेल है। वचन वचन ही होता है। वचन के हाथ पांव नहीं होते हैं। यही शब्द किसी को घाव दे देते हैं तो यही शब्द किसी के लिए दवा का काम कर जाते हैं। इसलिए मनुष्य को अपने वचनों पर नियंत्रण कर के ही चलना चाहिए। गुरुदेव ने फरमाया कि खाने से ज्यादा खिलाने का प्रयास करना चाहिए। खाओगे तो बदबू और खिलाओगे तो खुशबू होगी। लेकिन प्रेम से खिलाओगे तो सुगंध होगा। खाने वाला जीवन भर याद रखता है। अगर किसी को



खिलाना है तो प्रेम से ही खिलाना चाहिए। अन्यथा खिलाने का कोई मतलब नहीं निकलेगा। वाणी और शास्त्र भगवान का है। हमारा सिर्फ शब्द है। महापुरुषों की कृपा से हमने जो सिखा है वह आपको बता देते हैं। करने वाला करता है, देने वाला देता है, उसमे

हम कुछ नहीं करते हैं। ऐसे ही महान गुरु जैन दिवाकर चौथमलजी को हम आज याद कर रहे हैं। उन्होंने जैन शासन की अपार ध्वजा फहराई है। मारवाड़, यूपी, मेवाड़ और दिल्ली समेत अन्य जगहों पर जैन शासन की ज्योत जलाई थी। वे बहुत ही विद्वान गुरु थे। उनके नाम से

ही दिवाकर समुदाय चलता है। वे बहुत प्रतापी थे। उनका जन्म चौरड़िया परिवार में हुआ था। पिता गंगाराम और माता केसरबाई थी। वे बहुत ही संस्कारी थे। मारवाड़ भूमि संतों की भूमि है। वहां काफी संतों का विवरण होता है। उन्हें संतों का सम्पर्क हुआ और वाणी मिली। बड़े भाई का असमय हत्या हो गया था। उस घटना के बाद गुरुदेव को वैराग्य आ गया। लाख रुकावटों के बाद भी उन्होंने दीक्षा ली और वैराग्य के मार्ग पर चल पड़े। अपनी मां की आज्ञा से उन्होंने दीक्षा ली थी। जैसा उनका चेहरा था वैसी ही तेज वाणी थी। उनकी स्मरण शक्ति बहुत ही मजबूत थी। कुछ ही समय में वे जोरदार वक्ता बन गए। उनकी वाणी का बहुत ही प्रभाव था। ऐसे महापुरुषों के बताए मार्गों पर चलने वाला अपने जीवन को बदल सकता है। सभा में अशोककुमार रांका, महावीर भीलवाड़िया, महेंद्र कुमार मुणोत,

जानचंद मुथा, मनोजकुमार रांका, प्रदीपकुमार धोखा, शांतिलाल लुणावत, प्रेमकुमार मेहता, गौतमचंद नाहर, जम्बु कुमार धारीवाल, गौतम चंद कांकरिया, उगमराज फूलबागर, सज्जन राज पारसमणि, रुनवाल, दिलीप कुमार लुणावत, नवरत्नमल बम्ब, प्रकाश चंद दलाल की विशेष उपस्थिति रही। आशा लुकड़, रेखा लोढ़ा, नेहा लुकड़, अनीता कोचेटा, पायल तातेड, आशा सुराणा, चंदनबाला उषा तलेसरा, चेतना श्रीश्रीमाल, विभा विनायकिया, साधना मुथा, पुष्पा विनायकिया और मंजु बोहरा ने गीतिका प्रस्तुत की। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी एवं कनिका श्रीश्रीमाल ने चातुर्मास सम्बंधित विचार व्यक्त किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

कर रहे हैं, बल्कि बेंगलूर की
भा भी इसका विरोध कर रही है।
नकारियों के पास हमारे सवालों के
ब नहीं हैं। देखना होगा कि
कार्ती अदालत द्वारा पूछे गए
सालों का कैसे जवाब देते हैं। वे
वाहें फैला रहे हैं कि केंद्रीय मंत्री
न गडकरी ने एक वीडियो बनाया
जिसमें वे किसी और परियोजना के
में बात कर रहे हैं और गडकरी ने
यह बात कही है। जब मैंने गडकरी
इस परियोजना के बारे में बताया,
वे चौंक गए।



राज्य में नवंबर में राजनीतिक क्रांति मंत्री सतीश जारकीहोली दिल्ली पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवंबर क्रांति की राजनीतिक चर्चाओं के बीच, कैबिनेट के प्रभावशाली मंत्रियों के दिल्ली दौरे और बढ़ गए हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के दिल्ली जाकर वरिष्ठ विश्वासपात्रों से मिलने और वापस लौटने के बाद, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली भी दिल्ली खाना हो गए हैं। शिवकुमार ने दिल्ली में सोनिया गांधी की करीबी अंबिका सोनी से मुलाक़ात की थी। उन्होंने कुछ वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत की थी। नवंबर क्रांति को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैल रही हैं। डी.के. शिवकुमार की इस खामोश रणनीति ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुट में चिंता पैदा कर दी है। इसलिए, चर्चा है कि सिद्धरामैया के करीबी मंत्री सतीश जारकीहोली तीन दिनों तक दिल्ली में डेरा डालकर अपनी रणनीति अपनाएंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सत्ता बंटवारे समेत किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर सीधे मैदान में नहीं उतरेंगे। बल्कि, वे अपने करीबियों को पहले छोड़कर एक पूरक मंच बनाने की रणनीति अपना रहे हैं। इस बात पर संदेह होने लगा है कि क्या सिद्धरामैया अब भी उसी तरह की राजनीति कर रहे हैं। शिवकुमार राज्य के किसी भी नेता पर भरोसा किए बिना सीधे दिल्ली के नेताओं के संपर्क में हैं। डी.के. शिवकुमार राज्य में सौ कांग्रेस कार्यकर्तियों के निर्माण परियोजना के उद्घाटन में वरिष्ठ नेताओं समेत राहुल गांधी और सोनिया गांधी को बुलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी भी खबरें हैं कि उन्होंने इसी



सिलसिले में सोनिया गांधी से इस बारे में चर्चा की थी। लेकिन सिद्धरामैया गुट इस बात पर यकीन नहीं करता। सतीश जारकीहोली अपने विभाग की कार्ययोजना पर चर्चा के लिए दिल्ली जा रहे हैं, यह कहते हुए पर्दे के पीछे एक और रणनीति अपनाई जा रही है। कहा जा रहा है कि सतीश जारकीहोली राज्य में चल रही उलझनों की रिपोर्ट आलाक़मान को देकर सारी उलझनें सुलझाएंगे और अपील करेंगे। दिल्ली में सत्ता बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। कांग्रेस सरकार 20 नवंबर को ढाई साल पूरे कर लेगी। सिद्धरामैया अपने पद से इस्तीफा देकर बाकी कार्यकाल डी.के. शिवकुमार को सौंप देंगे। ऐसी भी मांगें उठ रही हैं कि ऐसा इसी तरह किया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर तरह-तरह की चर्चाएँ चल रही हैं। सिद्धरामैया को पद से नहीं हटाया जाना चाहिए, क्योंकि राज्य में पिछड़े वर्गों का उनका एक बड़ा वोट बैंक है। इसलिए, सतीश जारकीहोली दिल्ली के नेताओं के सामने यह तर्क रख सकते

हैं कि मौजूदा व्यवस्था को जारी रखा जाना चाहिए। सतीश जारकीहोली ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने का समय माँगा है, और एआईसीसी अध्यक्ष कार्यालय से उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने से इस बहस को और हवा मिल गई है। कहा जा रहा है कि सतीश जारकीहोली के बाद, पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना समेत सिद्धरामैया गुट के कई नेता दिल्ली जाने की योजना बना रहे हैं। नवंबर क्रांति में अभी 20 दिन बाकी हैं। उससे पहले ही कांग्रेस में भारी हलचल मच गई है।

शिवकुमार और सिद्धरामैया गुटों के बीच खूब बहस-मुबाहिसे हुए हैं। एक-दूसरे के तर्क दिए जा रहे हैं। इस सारी उलझन को खत्म करने के लिए, आलाक़मान पर स्पष्ट संदेश देने का दबाव है। ऐसी अफवाहें हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के पीछे बिहार चुनाव का हाथ है। विपक्षी दल इसी बहाने गंभीर आरोप लगा रहे हैं कि राज्य की कांग्रेस

हमारे लिए मंदिर के समान

वहां का कांग्रेस कार्यालय हमारे लिए मंदिर के समान है। दिल्ली जाकर वरिष्ठों से मिलने के बाद पार्टी कार्यालय जाना सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि इसका अलग अर्थ निकालने की कोई ज़रूरत नहीं है। मंत्री और विधायक सहित कोई भी दिल्ली जा सकता है। मुझे 5 या 7 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव में भी जाना है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली में एक बैठक बुलाई है। इसके अलावा, कावेरी विवाद पर अदालत में सुनवाई होनी है। उन्होंने उस मामले से जुड़ी सारी जानकारी हासिल कर ली है और दिल्ली में वकीलों से इस पर चर्चा करनी है। उन्होंने कहा कि विवाद और तमिलनाडु में हमारी याचिकाओं का विवरण दिया जाना चाहिए। कुछ मामलों में, राज्य के विधायकों को अलग अलग राज्यों के पार्टी संगठन और चुनाव प्रभारी नियुक्त किया जाता है। हमारे राज्य के विधायक रिजवान अरशद, श्रीनिवास माने, सांसद श्रेयस पटेल, ई. तुकाराम और कई अन्य को ओडिशा का प्रभारी बनाया गया है।

सरकार बिहार विधानसभा चुनावों के लिए वित्तीय सहायता दे रही है। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के दिल्ली दौरे को गलत न समझा जाए। सभी दौरे राजनीतिक कारणों से नहीं होते। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि वह भी दिल्ली जा रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री सतीश जारकीहोली विभागीय कारणों से भी दिल्ली जा सकते हैं।

मैं मुख्यमंत्री पद का आकांक्षी नहीं हूँ: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य कांग्रेस में नवंबर क्रांति को लेकर चल रही गरमागरम बहस के बीच, मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की सूची बढ़ती जा रही है। हालाँकि, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इस बात से साफ़ इनकार किया है कि वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। मंत्रिमंडल में मुजराई और परिवहन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे रामलिंगा रेड्डी की ओर से कुछ प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू किया है।

रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं और यह कुर्सी खाली नहीं है। उन्होंने लोगों से इस तरह से प्रचार न करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कुछ लोग सोशल मीडिया पर रामलिंगा रेड्डी फॉर सीएम नाम के पेज के जरिए



खबरें फैला रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में सरकार मजबूत है, मुख्यमंत्री का पद फिलहाल खाली नहीं है और मैं इसका दावेदार नहीं हूँ। अगर आपमें मेरे और पार्टी के लिए जरा भी सम्मान है, तो कृपया इस तरह का बेबुनियाद प्रचार तुरंत बंद करें। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में हमारी सरकार जनता के लिए अच्छा काम कर रही है। इस समय हमारा एकमात्र लक्ष्य एकजुट होकर काम करना और

जनता से किए गए वादों को पूरा करना होना चाहिए। मेरा एकमात्र ध्यान पार्टी और देश की जनता को सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाने पर है। रेड्डी ने लिखा मैं पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और अपने शुभचिंतकों से अनुरोध करता हूँ कि वे इस तरह के भ्रामक प्रचार पर ध्यान न दें और इसमें शामिल न हों। आइए हम सब मिलकर पार्टी को मजबूत करें और राज्य के विकास के लिए काम करें।

दो समूहों के बीच लड़ाई में पांच घायल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में शनिवार रात दो गुटों के बीच हुए झगड़े में पांच युवक घायल हो गए, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान गुरुनाथ वक्कुंड, सचिन कांबले, नजीर पठान, लोकेश बेतागेरी और महेश सुनकद के रूप में हुई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने पुलिस

को बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उनमें से चार को चाकू मारा गया है, जबकि एक के सिर में चोट आई है। घटना सदाशिव नगर स्थित लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स के पास हुई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ये युवक कर्नाटक राज्योत्सव समारोह के दौरान गावों की धुन पर नाच रहे थे। घायलों ने कथित

तौर पर पुलिस को बताया कि वे तब घायल हुए जब उन्होंने एक गुट के बीच झगड़े को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। पुलिस आयुक्त बोर्से भूषण गुलाबराव ने अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री इन दिनों अपना संयम क्यों खो रहे हैं?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इन दिनों अक्सर अपना आपा खोते जा रहे हैं। शुक्रवार को एक पत्रकार ने जब संभावित नेतृत्व परिवर्तन और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के उनकी जगह लेने के बारे में पूछा, तो वे परेशान दिखे। जब एक मीडियाकर्मी ने उन खबरों पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया मांगी, जिनमें दावा किया गया था कि केपीसीसी प्रमुख ने अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए 21 नवंबर की तारीख तय की है, तो सिद्धरामैया ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या उन्होंने (शिवकुमार) आपको बताया है? जब उन्होंने जवाब दिया कि उन्होंने यह बात अखबार में पढ़ी



है, तो मुख्यमंत्री ने तुरंत जवाब दिया कौन सा अखबार? मैंने इसे कहीं नहीं देखा, हालाँकि मैंने सभी अखबार पढ़े हैं। यह सवाल संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के संदर्भ में था, क्योंकि कांग्रेस सरकार 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा कार्यकाल पूरा कर रही है। हाल के दिनों में, मुख्यमंत्री तथाकथित 'नवंबर क्रांति' और संभावित सत्ता हस्तांतरण पर पूछे

गए सवालों से स्पष्ट रूप से चिढ़े हुए हैं। जहां सिद्धरामैया दावा कर रहे हैं कि वे पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे, वहीं उनके उपमुख्यमंत्री शिवकुमार मई 2023 में सरकार गठन के समय हुए अनौपचारिक सत्ता-साझेदारी समझौते का पालन करने के लिए पार्टी आलाक़मान से कड़ी मोलभाव कर रहे हैं। दूसरी ओर शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पाने के लिए पार्टी आलाक़मान पर अपनी

उम्मीदें लगाए हुए हैं और अपने समर्थकों से शांत और निश्चित रहने की अपील कर रहे हैं।

पहले भी कई मौकों पर, जब पत्रकारों ने उनसे सवाल पूछे, तो मुख्यमंत्री अपना संयम खो बैठे, उदाहरण के लिए, जब उनसे मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण भूमि आवंटन घोटाले में उनकी कथित भूमिका के बारे में पूछा गया।

फिर, 22 सितंबर को मैसूर में दशहरा उत्सव के उद्घाटन के दौरान, मुख्यमंत्री उस समय नाराज हो गए जब कुछ बेचैन दर्शक समारोह से बाहर निकलते हुए पाए गए। उन्होंने समारोह बीच में ही छोड़कर जा रहे लोगों को डांटा और पुलिस को हस्तक्षेप करने का आदेश दिया।

2.5 लाख मीट्रिक टन आम फल बीमा के अंतर्गत कवर किया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने आम उत्पादकों को खुशखबरी दी है। भारत सरकार ने मूल्य घाटा भुगतान योजना के तहत 2025-26 सीजन के लिए कर्नाटक में 1,616 रुपये प्रति किंटल के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर 2.5 लाख मीट्रिक टन आम खरीदने की मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देवेगौड़ा को लिखे एक पत्र में इसकी जानकारी दी है। इससे उन आम उत्पादकों को लाभ होगा जो कीमतों में गिरावट से परेशान थे। देवेगौड़ा ने 22 जून को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर इस



संबंध में अनुरोध किया था। पूर्व प्रधानमंत्री के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने आम उत्पादकों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। केंद्र सरकार को कर्नाटक के आम उत्पादकों की सहायता के लिए तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री ने पत्र में कम पैदावार, प्रतिकूल मौसम और आमों की अंतर-राज्यीय आवाजाही पर प्रतिबंधों

के कारण कीमतों में भारी गिरावट का उल्लेख किया था। इन समस्याओं ने आम उत्पादकों, खासकर कोलार, चिक्कबल्लपुर, रामनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों के आम उत्पादकों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। पूर्व प्रधानमंत्री ने मंत्री से आग्रह किया था कि वे उत्पादकों की सहायता करें क्योंकि भविष्य में भी ऐसी ही समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना

है। देवेगौड़ा ने केंद्र से नैफेड और एनसीसीएफ द्वारा आमों की खरीद के लिए मूल्य न्यूनाता भुगतान और बाजार हस्तक्षेप योजना शुरू करने का भी अनुरोध किया था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस पहल से उत्पादकों को लाभकारी मूल्य मिलेगा और वित्तीय संकट से राहत मिलेगी। पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्री ने समय पर बाजार हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों को समर्थन देने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई, जिससे उत्प-िदकों को उनकी उपज का उचित लाभ सुनिश्चित होगा। देवेगौड़ा ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया।

करंट लगने से युवक की मौत



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के विट्ठल के पास अलिके गाँव में नारियल तोड़ते समय बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अलिके गाँव के इब्राहिम उस्ताद के बेटे इस्माइल के रूप में हुई है। यह दुखद घटना उस समय हुई जब इस्माइल एक पेड़ से नारियल तोड़ने के लिए एल्युमीनियम पाइप का इस्तेमाल कर रहा था, जो गलती से बिजली के तार के संपर्क में आ गया। हालाँकि उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। उसके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटा है।

बिजली लाइन परियोजना से फसल को हुए नुकसान के खिलाफ किसानों ने विरोध मार्च निकाला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़ी संख्या में किसानों ने स्टर्लाइट पावर कंपनी के खिलाफ विरोध मार्च और सभा की। उन्होंने कंपनी पर उडुपी-कासरगोड 440 केवी बिजली लाइन परियोजना के निर्माण के दौरान कृषि भूमि को नष्ट करने और किसानों पर पुलिस बल का प्रयोग करके अत्याचार करने का आरोप लगाया।

आक्रोशित किसान अश्वत्थपुरा सीताराम मंदिर के पास एकत्र हुए और कंपनी के खिलाफ नारे लगाए। बाद में वे ऑटोमार स्थित भास्कर शेड्डी के खेत तक गए, जिनकी फसलें परियोजना से क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इसके बाद उनके आवास पर एक विरोध सभा आयोजित की गई, जहां किसानों ने अपना गुस्सा व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, केमर संदीपनी मठ के श्री ईशा विट्ठलदास स्वामीजी ने कहा कि अविभाजित दक्षिण कन्नड़-उडुपी क्षेत्र में जनविरोधी और किसान-विरोधी कॉर्पोरेट परियोजनाएं उभरने लगी हैं। उन्होंने कहा ऐसे संघर्षों को



दबाने के लिए, कंपनियाँ अग्रणी नेताओं को धन या जमीन का लालच देती हैं। लेकिन ये संघर्ष खत्म नहीं होंगे।

सरकारें दक्षिण कन्नड़ को कूड़ाघर समझती हैं, यहाँ अनिवार्यक उद्योग लगा रही हैं और लोगों की शांति भंग कर रही हैं। यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा आजकल ज्ञान की जगह लूटपाट हावी हो गई है। किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। किसानों का विकास ही राष्ट्र का विकास है। जब कृषि फलती-फूलती है, तो सभी जीव-जंतु मनुष्य, पशु-पक्षी

फलते-फूलते हैं। अगर खेती नष्ट हो जाती है, तो मानवता से जुड़ी हर चीज नष्ट हो जाएगी। बाद में, कर्तील दुर्गापरमेश्वरी मंदिर के वंशानुगत पुजारी अनंत अस्मराणा ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद भास्कर शेड्डी के आवास पर एक बैठक हुई, जिनकी फसलें बर्बाद हो गई थीं।

इस अवसर पर बोलते हुए, किसान नेता नारायण स्वामी ने कहा एक किसान की समस्या सभी किसानों की समस्या है। हमें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। सरकार अपने फायदे के लिए किसानों की सहमति के बिना

जमीन जब्त करके और फसलें नष्ट करके परियोजनाएँ चला रही है। कंपनी को अवैध रूप से खेतों में घुसकर फसलें नष्ट करने की इजाजत किसने दी है? उन्होंने सवाल किया अगर किसान खेती करना छोड़ देंगे, तो लोग क्या खाएँगे?

हमें ऐसा विकास नहीं चाहिए जो किसानों को रौंद डाले। सरकार के अवैज्ञानिक फैसलों के कारण किसान खेती छोड़कर मजदूर बन रहे हैं। यह परियोजना खेतों से दूर लागू की जानी चाहिए। किसान कंपनी को अपनी एक इंच जमीन भी नहीं लेने देंगे।

कर्नाटक के जाति सर्वेक्षण में 6.13 करोड़ लोगों को शामिल किया गया

अंतिम आंकड़े नवंबर

के मध्य तक आने

की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा महीने भर चलाए गए सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण-2025 में राज्य की अनुमानित 6.85 करोड़ आबादी में से 6.13 करोड़ लोगों को शामिल किया गया है। भौतिक गणना 31 अक्टूबर को संपन्न हुई और ऑनलाइन आवेदन 10 नवंबर तक खुले रहेंगे। आयोग के अध्यक्ष मधुसूदन नाइक ने कहा कि ऑनलाइन प्रविष्टियाँ शामिल होने के बाद अंतिम आंकड़ा लगभग 6.2 करोड़ तक पहुँच सकता है। यह सर्वेक्षण, जो 22 अक्टूबर को पूरे राज्य में और उससे पहले 4 अक्टूबर को बेंगलूरु में शुरू हुआ था, ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) क्षेत्र में कम भागीदारी के कारण दो बार बढ़ाया गया था। कई निवासियों ने कथित तौर पर यह कहते हुए भाग लेने से इनकार कर दिया कि उन्होंने अपने मूल जिलों में अपनी जानकारी पहले ही साझा कर दी है। आयोग को आंकड़ों का विश्लेषण करने



और दिसंबर तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इसके पास सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के आधार पर समुदायों को पिछड़े, अधिक पिछड़े और सर्वाधिक पिछड़े की श्रेणियों में पुनर्वर्गीकृत करने का अधिकार है, एक ऐसा कदम जिसका कई छोटे और खानाबदोश समुदाय बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह सर्वेक्षण 2015 के उस जाति सर्वेक्षण के बाद किया जा रहा है जिसे रद्द कर दिया गया था और जिसकी सटीकता पर सवाल उठाते हुए प्रभावशाली समुदायों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इस वर्ष का सर्वेक्षण, जो व्याथिक निगरानी में किया गया था, ने आंकड़ों की गोपनीयता और स्वेच्छिक भागीदारी सुनिश्चित की। हालाँकि

गणनाकर्ताओं को कुछ क्षेत्रों में प्रतिरोध और कभी-कभी विरोध का सामना करना पड़ा। विभिन्न समुदायों में प्रतिक्रियाएँ व्यापक रूप से भिन्न थीं, जहां कई पिछड़े और सूक्ष्म समूहों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं कुछ नेताओं द्वारा भागीदारी को हतोत्साहित करने के बाद ब्राह्मण समुदाय के कुछ वर्गों में अनिच्छा देखी गई। इस बीच, वोकालिंगा और वीरेश्वर लिंगायतों के प्रमुख जाति संगठनों ने व्यापक प्रतिनिधित्व के उद्देश्य से अपने सदस्यों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आंकड़ा संग्रह लगभग पूरा होने के साथ, आयोग के निष्कर्षों से कर्नाटक की भविष्य की सामाजिक और शैक्षिक नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमणा का आरोप

मुझे दबाने के लिए मेरे परिवार पर दर्ज हुए मुकदमे

अमरावती (आंध्र प्रदेश) 02 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमणा ने कहा है कि संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा करने वाले न्यायिक अधिकारियों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार को भी राजनीतिक संगठनों ने निशाना बनाया, केवल उन्हें दबाने के उद्देश्य से। रमणा अमरावती स्थित वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- आप सभी जानते हैं कि मेरे परिवार



को कैसे निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे दबाने के लिए किया गया। उन्होंने आगे कहा कि उस कठिन समय में किसान आंदोलन का समर्थन करने वालों को भी धमकाया गया। यह आंदोलन तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी सरकार की तीन राजधानी योजना के विरोध में था। इस योजना के तहत विशाखापट्टनम को प्रशासनिक, अमरावती को विधायी और कुर्नूल को न्यायिक राजधानी बनाने की घोषणा की गई थी। रमणा ने कहा कि जब कई राजनेता उस

समय चुप रहे या हिचकिचाए, तब देश के न्यायविद और न्यायालय अपने संवैधानिक वादे के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा - सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन न्यायालय और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं। कानून का शासन तभी जीवित रहेगा, जब लोग ईमानदारी और जनता का भरोसा बनाए रखें। पूर्व सीजेआई ने अमरावती के किसानों के साहस की भी सराहना की और कहा कि उनका संघर्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया और न्यायिक प्रणाली में विश्वास की मिसाल है।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर, 13 इलाकों में एक् यूआई 400 के पार

आनेवाले दिनों में हवा की गुणवत्ता हो सकती है गंभीर

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

रविवार को राजधानी की वायु गुणवत्ता में दिन भर उतार-चढ़ाव का दौर चलता रहा। हवा की गति स्थिर हो जाने और धुंध छाने की वजह से सुबह इसमें तेजी से वृद्धि देखने को मिली। जबकि दिन में मौसम खुल जाने और आसमान साफ होने से इसमें वापस गिरावट आ गई।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित हो रही वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल प्रदूषण की

स्थिति में अधिक सुधार की संभावना कम ही है। स्विस एप आइक्यू एयर पर सुबह लगभग 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी का एक् यूआई 467 यानी 'अति गंभीर' था जबकि शाम पांच बजे 180 यानी 'मध्यम' दर्ज किया गया।

रात आठ बजे यह 208 यानी 'खराब' दिन में पहुंच गया। आइक्यू एयर पर दिल्ली के अन्य इलाकों की भी यही स्थिति चलती रही। दूसरी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शाम चार बजे 24 घंटे का एक् यूआई 366 दर्ज किया गया, जो शनिवार के 303 से 63 अंक ज्यादा है। सुबह 10 बजे यह भी 388 यानी 'बहुत खराब' श्रेणी के उच्च स्तर पर

था। सीपीसीबी द्वारा विकसित समीर एप के आंकड़ों से पता चलता है कि समग्र एक् यूआई में शाम को आंशिक सुधार हुआ है, लेकिन 38 सक्रिय वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से 13 पर 400 की रीडिंग के साथ 'गंभीर' श्रेणी का एक् यूआई दर्ज किया गया। 19 स्टेशनों पर 'बहुत खराब' जबकि छह स्टेशनों पर 'खराब' श्रेणी का एक् यूआई दर्ज हुआ।

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि मौसम की स्थिति और हवा की रफ्तार दोनों ही एक् यूआई में सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन रविवार को दोनों ही प्रतिकूल रहे।

122 फर्जी फर्मों के जरिए 341 करोड़ की जीएसटी चोरी

पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों से जुड़े मास्टरमाइंड के तार

मुरादाबाद, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

देशभर में 122 फर्जी फर्म बनाकर 341 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसएसपी ने सीओ ब्राइम के नेतृत्व में गठित एसआईटी में साइबर सेल प्रभारी और सर्विलांस टीम प्रभारी को शामिल किया है। एसआईटी जिले में जीएसटी के संबंधित सभी आठ मुकदमों की जांच करेगी। इसमें लोहे के अलावा लकड़ी से जुड़े सिंडिकेट शामिल हैं। राज्य कर विभाग ने 341 करोड़ की टैक्स चोरी के मामले में शुक्रवार को सिविल लाइंस थाने में दो मुकदमे दर्ज कराए हैं। दो अलग-अलग एफआईआर में मास्टरमाइंड लोहा कारोबारी अंकित कुमार समेत नौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा एफआईआर में दो ट्रांसपोर्ट फर्मों को शामिल किया गया है। देशभर में बोगस फर्मों को खोलकर केंद्र और प्रदेश सरकार को करोड़ों का चूना लगाने वाले अंकित कुमार के तार

पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में मास्टरमाइंड अंकित और उसके साथियों के ईमेल को खंगाला जा रहा है। एसएसपी सतपाल अंतिल के मुताबिक यह मामला काफी संवेदनशील है। इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी में सीओ ब्राइम, साइबर सेल प्रभारी और सर्विलांस टीम के प्रभारी को शामिल किया गया है। एसआईटी बैंक, सर्विलांस के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाकर कार्रवाई करेगी। इसके अलावा जिले में जीएसटी से जुड़े छह अन्य मुकदमों की भी जांच एसआईटी करेगी।

राज्य कर विभाग ने लखनऊ-मुरादाबाद हाईवे पर 24 और 25 अक्टूबर को लोहे से लदे दो ट्रकों को पकड़े थे। यह माल लखनऊ के राजाजीपुरम आवास विकास कॉलोनी निवासी अंकित कुमार का था जिसे मुजफ्फरनगर भेजा जा रहा था। इस मामले में अपर आयुक्त ग्रेड-2 आरए सेठ के साथ 42 अधिकारियों की टीम ने जांच की तो पता चला कि अंकित ने दो मोबाइल नंबरों पर देश के अलग-अलग राज्यों में 122 बोगस फर्मों का सीजीएसटी और राज्य कर विभाग में पंजीयन करा रखा है। तीन दिनों तक चली जांच में 341 करोड़ की टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। इन फर्मों पर 1811 करोड़ रुपए का व्यापार

किया गया है। इसके बाद विभाग ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अंकित कुमार सहित अन्य आरोपियों के सही नाम और पता उनके मोबाइल नंबर से चलेगा। पुलिस टीम कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की तैयारी में है। अभी तक जांच में अंकित कुमार के साथी सौरभ मिश्रा के बारे में राज्य कर अधिकारियों को पता नहीं चला है। लकड़ी कारोबारियों की बोगस फर्मों को खोलकर सरकार को करीब 200 करोड़ का चूना लगाया था। इस मामले में राज्य कर के अधिकारियों ने दो माह पहले कोतवाली, गलशहीद और बिलारी थाने सहित कुल छह केस दर्ज कराया था लेकिन जांच के दौरान कोई आरोपी नहीं पकड़ा गया। इसी कारण एसएसपी ने पूरे मामलों की जांच करने के लिए एसआईटी गठित कर दी है। अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह ने डाटा विश्लेषण के दौरान लकड़ी कारोबारियों की चोरी पकड़ी थी। इस मामले में विभाग ने जुलाई से बोगस फर्मों के खिलाफ अभियान शुरू किया। जांच में पाया गया कि मंडल की 128 बोगस फर्मों के माध्यम से लकड़ी की खरीद बिक्री की थी। इन फर्मों ने 1300 करोड़ का टर्न ओवर का मामला प्रकाश में आया। आशंका जताई गई कि बोगस फर्मों के माध्यम से

करीब 200 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की गई है। राज्य कर विभाग की रिपोर्ट पर सीजीएसटी ने 95 फर्मों का पंजीयन निरस्त कर दिया।

जांच अधिकारियों ने पाया कि मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा और रामपुर से शुरू हुई लकड़ी की बोगस फर्मों ने अमरोहा, बिजनौर और उत्तराखंड तक खरीद फरोख्त की है। सरकार से कैसे हड़पने के लिए कारोबारियों ने फर्जी कागजातों और फर्जी बिलों का इस्तेमाल किया। इस मामले में केस दर्ज होने के बाद शहर के कोतवाली, गलशहीद और कुंदरकी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। राज्य कर विभाग ने बोगस फर्मों से जुड़े 12 संदिग्ध लोगों की सूची तैयार की थी। इस मामले में गोपनीय सूची पुलिस को भी सौंपी गई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। कोतवाली में दर्ज मुकदमे के अनुसार कारोबारी ने लकड़ी की एक फर्म के लिए कोतवाली क्षेत्र का पता दिया था। उसने पांच करोड़ का टर्नओवर किया था। जांच में कोतवाली क्षेत्र का पता फर्जी निकला था।

देशभर में बोगस फर्मों को खोलकर केंद्र और प्रदेश सरकार को करोड़ों का चूना लगाने वाले अंकित कुमार के तार पंजाब और गुजरात के सफेदपोशों के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले में मास्टरमाइंड अंकित और उसके साथियों के ईमेल को

खंगाला जा रहा है।लखनऊ के राजाजीपुरम का फर्जी पता दर्ज कर मास्टरमाइंड अंकित कुमार ने देशभर में 122 फर्में खड़ी कर दी हैं। देशभर में फैले फर्जीवाड़े को सीजीएसटी के अधिकारी पकड़ नहीं सके। दो साल से मास्टरमाइंड विभाग के सरलीकरण का फायदा उठाते हुए बोगस फर्मों के माध्यम से कारोबार करता रहा। धीरे-धीरे उसने 1811 करोड़ से अधिक का कारोबार किया तो राज्य कर विभाग के अधिकारियों के हथ्ये चढ़ गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि उसने मुरादाबाद में अपनी एक फर्म का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। उसे पता था कि यहाँ रजिस्ट्रेशन कराने पर पकड़े जाने की संभावना अधिक है।

मास्टरमाइंड अंकित को विभाग के अधिकारियों के बारे में जानकारी थी। देशभर में कारोबार खड़ा कर उसने सरकार को 341 करोड़ का चूना लगाया। आशंका है कि मास्टरमाइंड से कुछ सफेदपोश भी जुड़े हुए हैं। सीडीआर से इसका खुलासा होने की संभावना है। जांच में सीजीएसटी के अधिकारियों की लापरवाही प्रकाश में आई है। अधिकारियों ने फर्मों का पंजीयन करने के बाद उनका भौतिक सत्यापन नहीं किया। इसी का फायदा उठाते हुए मास्टरमाइंड अधिकारियों की आंखों में धूल झाँकते हुए करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर दिया।

हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस, बिहार चुनाव शांतिपूर्ण होंगे

सीईसी ज्ञानेश कुमार का मोकामा हत्याकांड पर कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग की हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। उन्होंने बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त किया कि सभी पुलिस अधिकारी, निर्वाचन अधिकारी और जिला परिषद के अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तत्पर हैं, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम करेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मैं सभी से अपील करता हूँ कि वे चुनाव



प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। हिंसा के विषय पर, चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाता है। हिंसा की कोई भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदाता शांतिपूर्वक मतदान कर सकें। हमारे 243 रिटर्निंग

ऑफिसर, इतने ही पर्यवेक्षक, हर ज़िले के कलेक्टर, ज़िला अधिकारी, एसपी, एसएसपी, पुलिस पर्यवेक्षक, सभी तैयार हैं, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह टिप्पणी हाल ही में 30 अक्टूबर को मोकामा विधानसभा क्षेत्र में राजनेता दुलारचंद यादव की हत्या के बीच आई है, जब वह उस क्षेत्र से जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शिनी की रैली में मौजूद थे। हत्या के बाद, मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत

कानपुर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त अपने संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का दौरा करने कानपुर आए हैं, जहाँ संस्थान ने हाल ही में उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया है, जो उनके पूर्व छात्रों को उनकी असाधारण योग्यता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आज मैं एक पूर्व छात्र के रूप में खखड कानपुर आया हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे सम्मानित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन के सबसे ऊर्जावान चार साल कानपुर शहर में बिताए हैं और मुझे इससे बहुत लगाव है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहाँ आने और आईआईटी

बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल गांधी, पकड़ी मछली

बेगूसराय, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में एक तालाब में छलांग लगाई और मछली पकड़ने की पारंपरिक प्रक्रिया में भाग लिया। वीआईपी प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता कहैया कुमार और अन्य भी मौजूद रहे। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को बेगूसराय में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की जनता से एक वादा किया। उन्होंने कहा कि जब महागठबंधन सत्ता में आएगा, तो वह शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के लिए विश्वस्तरीय अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको व्यक्तिगत गारंटी देता हूँ कि जिस दिन केंद्र में महागठबंधन की सरकार आएगी, हम बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय जैसा एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय खोलेंगे। दुनिया भर से छात्र यहाँ पढ़ने आएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिहार में महागठबंधन की सरकार समाज के सभी वर्गों की सेवा करेगी।

उन्होंने कहा कि अगर हम बिहार में सरकार बनाते हैं तो यह सभी के लिए सरकार होगी, किसी एक जाति या समुदाय के लिए नहीं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला और उन पर सिर्फ चुनाव प्रचार के दौरान वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मोदी जी चुनाव से पहले आते हैं, भाषण देते हैं और जो भी कहोगे, वो करने का वादा करते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद, वो बिहार नहीं लौटते और न ही आपकी समस्याएँ सुनते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री का मज़ाक उड़ाते हुए कहा, प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्हें योग करने के लिए कहो, और वो कैमरे के सामने कुछ आसन कर लेंगे। बेरोज़गारी से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, नौकरियाँ देने के बजाय, प्रधानमंत्री युवाओं को सोशल मीडिया पर रील देखने के लिए कह रहे हैं। वह उनका ध्यान भटकाना चाहते हैं ताकि वे बेरोज़गारी पर सवाल न उठाएँ।

जालसाजों ने बना डाले 300 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड

बांदा में 27वां जीवन विद्या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिव्यता के साथ सम्पन्न

फर्जी आईडी बनाकर की करतूत, अफसरों की भूमिका संदिग्ध

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)।

जालसाजों ने 300 से ज्यादा लोगों के आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़ा करके बना डाले। मामले में संबंधित अफसरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यह फर्जीवाड़ा दीपावली की छुट्टियों के दौरान साचीज के अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाकर किया गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बरेली, शाहजहांपुर एवं जालंधर के लोगों के कार्ड बनाए गए हैं। लखनऊ के सैदापुर निवासी शिवम पाठक की शिकायत पर हुई जांच में पता चला कि आईएसए आईडी यूएसईआर 6801737 से अबुल कलाम के नाम से कार्ड जारी किया गया है। इस खुलासे के बाद पूरे मामले की गहनता से जांच की गई तो पता चला कि करीब 300 से अधिक आयुष्मान कार्ड फर्जी तरीके से बनाए गए हैं। मामले की जानकारी यूआईडीए के उप महानिदेशक को दी गई है। साचीज ने सभी कार्डों को अवैध घोषित कर दिया है। साथ ही संबंधित कार्ड से उपचार पर क्लेम के भुगतान पर भी रोक लगा दी है। पूरे मामले में स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने हजरतगंज थाने में

रिपोर्ट दर्ज कराई है। गिरोह ने कार्ड को अनुमोदित करने के लिए साचीज के सक्षम अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाई थी। पोर्टल पर कार्ड के लिए अनुमोदन करने वाले अधिकारियों के वही मोबाइल नंबर जुड़े थे जो उनके आधार कार्ड में संलग्न हैं। फर्जीवाड़ा करने वालों ने पोर्टल पर मोबाइल नंबर ही बदल दिया जिससे ओटीपी संबंधित अधिकारी के पास जाने के बजाय उनके पास जाए। इसी ओटीपी नंबर से नए आयुष्मान कार्डों को अनुमोदित किया गया। साचीज की ओर से अनुमोदन में लगे अधिकारियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज अर्चना वर्मा का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के साथ विभागीय जांच भी होगी। करीब 300 आयुष्मान कार्ड को अवैध घोषित किया गया है। अन्य की जांच चल रही है। पिछले छह माह के अंदर जारी होने वाले अन्य कार्डों की भी जांच की जाएगी। स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्लेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) द्वारा संचालित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत आयुष्मान कार्ड जारी होते हैं। इस कार्ड के जरिए मुफ्त चिकित्सा की सुविधा मिलती है।



बांदा, 02 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बड़ोखर खुर्द ग्राम स्थित प्रेम सिंह की बगिया में 27वां जीवन विद्या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय आयोजन में भारत के 18 राज्यों के 85 जिलों से 890 से अधिक शोधार्थी एवं किसान, आवर्तनशील खेती करने वाले

कृषक, व इको-फ्रेंडली निर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। हैदराबाद सहित अनेक स्थानों से विशेषज्ञों ने सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का थीम मध्यस्थ दर्शन और आवर्तनशीलता ही परंपरा का आधार रहा। इसमें 90 से अधिक प्रस्तुतियाँ हुईं जिनका फोकस देशव्यापी एवं ग्रामव्यापीकरण, मानवीयता,

आवर्तनशील उत्पादन, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका एवं ग्रामीण जीवन की विविध व्यावहारिक चुनौतियों पर रहा। सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं स्थानीय सहयोग, श्रम और वस्तुओं के निःशुल्क योगदान से जुटाई गईं। दाना भवन एवं प्रदर्शनी, जिसमें ग्रामीण बीज, पुस्तकें, कपड़े, घरेलू व्यंजन प्रस्तुत किए

गए, कार्यक्रम के आकर्षण रहे। बहनों द्वारा परंपरागत व्यंजन और उनकी जानकारी साझा की गई जिससे व्यंजन निर्माण की विरासत सशक्त हो सकी। सम्मेलन में शिक्षा, अध्‍यन, श्रम, सेवा, युवाओं के मुद्दे, उद्यमिता, चरित्र निर्माण, सामाजिकता, कविता-नाटक-मीडिया के माध्यम से साहित्य और संवाद के विविध पक्षों पर

चर्चा हुई। समान सत्र में वरिष्ठ साथियों की संदेयन, निष्कर्ष, उपलब्धियों एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं। यह आयोजन ग्रामीण जीवन, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित शोध व संवाद के लिए देश के किसानों व शोधार्थियों को प्रेरणा देने वाला रहा।



डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी



सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना जीवन का सर्वोच्च मंत्र

विश्वविद्यालयों में ई-कोर्ट साइबर-लॉ और एआई ट्रेनिंग पर जोर

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय प्रदेश और देश दोनों के लिए गौरव का विषय है। यहां से निकलने वाले छात्र समाज और राष्ट्र की न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिया जाने वाला दीक्षा मंत्र, सत्यं वद, धर्मं चर (सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो) भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा की नींव है। यही भावना हमारे संविधान, संसद और न्यायपालिका के बोधवाक्य धर्मो रक्षति रक्षितः और यतो धर्मस्य ततो जयः में भी प्रतिबिंबित होती है।

सीएम योगी ने कहा कि धर्म हमारे लिए जीवन पद्धति का हिस्सा है, जबकि उपासना आस्था का विषय है। धर्म का अर्थ है अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना। इसी भावना के साथ युवाओं को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए एक सुदृढ़ न्यायिक प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। न्याय व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना उतना ही सरल होगा। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि प्राचीन



काल का रामराज्य भेदभाव रहित और न्यायसंगत शासन का प्रतीक था, जिसे आज की आधुनिक व्यवस्था में सुशासन के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ई-कोर्ट प्रणाली, वैकल्पिक विवाद निपटान, साइबर लॉ प्रशिक्षण, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर विशेष जोर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आधुनिक प्रशिक्षण कक्ष, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और छात्रावास के निर्माण कार्य भी कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों, अभियोजकों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के स्किल डेवलपमेंट और प्रशिक्षण के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत ने तीन नए कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक

सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू कर न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूल ऑफ लॉ तभी प्रभावी हो सकता है जब बेंच (न्यायपीठ) और बार (अधिवक्ता समाज) के बीच बेहतरीन समन्वय हो। बेंच विवेक का प्रतीक है और बार संवेदना का। जब विवेक और संवेदना साथ आते हैं, तब न्याय का सच्चा स्वरूप मूर्त रूप लेता है।

सीएम योगी ने जानकारी दी कि प्रदेश में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ हो चुका है। 10 जनपदों में इसके लिए धनराशि जारी कर दी गई है, जहां एक ही परिसर में सभी स्तरों के न्यायालय, अधिवक्ता कक्ष और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय अब अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के लिए देशभर में जाना जा रहा है। इसके



साथ ही महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश में 380 से अधिक पॉक्सो और फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए गए हैं। साथ ही, लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के प्रयास भी तेज हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में हर रेंज पर विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं तथा उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक संस्थान की स्थापना कर युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट, ई-पुलिसिंग, ई-प्रांसीक्यूशन और ई-फॉरेंसिक को एकीकृत प्लेटफॉर्म पर जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। इससे न्यायिक प्रणाली अधिक पारदर्शी, त्वरित और सशक्त बनेगी। अंत में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के छात्रों से कहा कि वे सत्य, धर्म और निष्ठा के पथ पर चलते हुए देश की न्याय व्यवस्था को नई दिशा दें। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भी बधाई दी, जो इस माह भारत

के 53वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विश्वविद्यालय के विजिटर और सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश सरकार में मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो अमर पाल सिंह, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तिगण, विवि के फैकल्टी मेम्बर्स, विधायक राजेश्वर सिंह, उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावकगण मौजूद रहे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में इस वर्ष कई छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभिन्न श्रेणियों में मेडल प्राप्त किए। एलएलएम वर्ग में हर्षिता यादव ने गोल्ड मेडल, आकृति श्रीवास्तव ने सिल्वर मेडल और ऋषभ ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

गोंडा जिले में चल रहा है अवैध प्रमाण पत्र बनाने का गिरोह

कुछ पैसों में मिल रही भारत की नागरिकता

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में नए तरह के गिरोह का खुलासा हुआ है। यह गिरोह नेपालियों को भारतीय नागरिकता दे रहा है। नेपाल से लगती भारतीय सीमा एक बार फिर सुरक्षा कारणों से संवेदनशील हुई है। यहां बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर के बाद अब गोंडा में भी फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपालियों को भारतीय नागरिक बनाने का खेल सामने आया है। गिरोह के तार महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बलरामपुर से भी जुड़े हैं। एसटीएफ ने शुक्रवार को जिन पांच जालसाजों को पकड़ा है उन्होंने नागरिकता का पूरा पैकेज तैयार किया था, जिसमें 20 से 25 हजार रुपए में निवास व जन्म प्रमाणपत्र के साथ ही आधार कार्ड और पैनकार्ड भी बनाकर देते थे। इन दस्तावेज की मदद से

भारतीय क्षेत्र में जमीन खरीदने से लेकर बैंक खाते भी खुलवाए गए हैं। बीते दिनों नेपाल से लगते प्रदेश के सात जिलों के सीमावर्ती तहसीलों में हुई कुछ रजिस्ट्री में भी इन प्रमाणपत्रों का उपयोग किया गया है। नेपाल बॉर्डर पर काम कर चुके आईबी अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि बीते माह बहराइच जिले के नेपाल से लगती नानापारा, श्रावस्ती की भिनगा, बलरामपुर की उतरीला और तुलसीपुर के साथ ही सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज, महाराजगंज की नौतनवा और निचलौल, लखीमपुर खीरी की पलिया कलां व गोला गोकर्णनाथ तहसील की जांच में भी ऐसे ही फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली नागरिकों के संपत्ति खरीदने का मामला सामने आ चुका है। उन्होंने बताया कि श्रावस्ती के एक मामले में तो मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। इस

बीच शुक्रवार को सामने आए पांच जालसाजों ने फिर बॉर्डर की सुरक्षा व्यवस्था को संवेदनशील बनाया है। इस मामले में बहराइच और महाराजगंज जिला बेहद संवेदनशील हैं। एसटीएफ ने हरदोई के अहिरौली में ग्राम पंचायत अधिकारी लाल बिहारी पाल निवासी सुभाष नगर भोलाखेड़ा लखनऊ, गोंडा निवासी रवि वर्मा, सोनू वर्मा, बंशराज वर्मा व सत्यरोहन वर्मा। इनमें फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने का मास्टरमाइंड गोंडा निवासी रवि पहले भी जेल जा चुका है। एसटीएफ के डीएसपी सुधांशु शेखर ने कहा, आरोपी फर्जी वेबसाइट, सॉफ्टवेयर एवं पोर्टल के माध्यम से जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र बना रहे थे। फर्जी प्रमाणपत्रों का फर्जी बैनामा व वसीयत में लगा रहे थे। पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। जांच का दायरा सीमावर्ती अन्य जिलों तक भी बढ़ाया गया है।

बहराइच नाव हादसे से प्रभावित परिवारों से मिले सीएम योगी

भरथापुर के पीड़ित परिवारों को अन्यत्र बसाया जाएगा

21 करोड़ 55 लाख रुपए स्वीकृत

लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में नाव दुर्घटना में अपनों की जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों से रविवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। साथ ही पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपए की राहत राशि की चेक सौंपी। सीएम ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और जनप्रतिनिधि उनके साथ खड़े हैं। इससे पहले सीएम योगी ने हवाई सर्वे कर हालात का बारीकी से जायजा लिया। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक माह के अंदर भरथापुर के पीड़ित परिवारों को विस्थापित किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख की राशि भी स्वीकृत कर दी गयी। इस दौरान अफसरों को निर्देश दिए कि सभी प्रभावित परिवारों को धनराशि, जमीन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि भरथापुर के



विस्थापित होने वाले सभी परिवारों को गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर विस्थापित किया जाए। इसके अलावा बहराइच में भरथापुर जैसे अन्य गांव के लोगों को भी विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाए और विस्थापन के लिए जरूरी बजट को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाए ताकि उन्हें भी जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके।

सीएम योगी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। हमारी सरकार और जनप्रतिनिधि हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि एक माह के

अंदर सभी गांववासियों को उनके गांव के नाम पर कॉलोनी को विकसित कर विस्थापित किया जाएगा, जहां पर उन्हें हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने अपने परिवारों को खोया है, उनके दुख की इस घड़ी में सरकार संवेदना और सहयोग के साथ खड़ी है। इससे पहले सीएम योगी ने क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से बारीकी से घटना की जानकारी हासिल की। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पीड़ित परिवारों समेत गांववासियों के लिए कॉलोनी बनाकर एक माह में व्यवस्थित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सभी आवश्यक सुविधाएं



बिजली, पानी, सड़क और आवास सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस प्रक्रिया को एक महीने के अंदर पूरा कर लिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों का पुनर्वास कार्य शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बहराइच में जो लोग घने जंगलों के बीच रहने के लिए मजबूर हैं, उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के भरथापुर में हुए नाव हादसे के बाद रविवार को गांव का हवाई सर्वे किया और एक महीने के अंदर ग्रामीणों को सुरक्षित आबादी के स्थान पर बसाने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 3:00 बजे मोतीपुर

डाक बंगला पहुंचे यहां उन्होंने भरथापुर गांव के नाव हादसे के पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलान किया कि एक माह के अंदर भरथापुर गांव के सभी 118 परिवारों के विस्थापन की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। इसके लिए 21.56 करोड़ का बजट जारी कर दिया गया है। गांव के सभी 118 परिवारों को आवास के साथ कृषि योग्य जमीन भी मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा जंगल में बसे अन्य लोगों के भी विस्थापन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सूची बनाकर भेजें, कार्रवाई कर उन्हें भी जंगल से बाहर बसाया जाएगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बोले मुख्य न्यायाधीश

संविधान के कारण लोकतंत्र की नींव मजबूत : गवई

प्रयागराज, 02 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। अनेकता में एकता भारत की आत्मा है। विविधता, सामुदायिक भाईचारा और समानता से ही देश समृद्ध होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कॉलेजियम सिस्टम को सही ठहराते हुए राज्यों एवं केंद्र के बीच शक्ति संतुलन पर भी जोर दिया। मुख्य न्यायाधीश शनिवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कांस्टीट्यूशन एंड कांस्टीट्यूशनलिज्म : द फिलोसफी ऑफ डॉ. बीआर अंबेडकर विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम के तहत नियुक्तियों में राज्य एवं केंद्र सरकार तथा विभिन्न एजेंसियों के इनपुट शामिल होते हैं और इसके आधार



पर ही न्यायमूर्तियों की नियुक्ति होती है। कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है। जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के कारण ही भारतीय संविधान में एकल नागरिकता को स्वीकार

किया गया। उनके प्रयासों से ही देश की शक्ति संरचना को तीन चरणों यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में समंता रूप से विभाजित किया जा सका। सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया। उन्होंने सभी के लिए सुलभ न्याय की अवधारणा को संविधान के जरिए रखा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने प्रयागराज को राजनीति, संस्कृति एवं शिक्षा की त्रिवेणी बताया। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गरिमामयी इतिहास की चर्चा करने के साथ एक कानूनी दस्तावेज का मसौदा तैयार करने तक सीमित नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व से परिपूर्ण देश के निर्माण का एक नैतिक वादा था। बाबासाहेब के लिए संविधान समाज में व्याप्त असमानता और

स्थान है। यहां से कई नामचीन साहित्यकार, कवि एवं शायर निकले हैं। उन्होंने कहा कि इतिवि देश के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से है और इस संस्थान से कई प्रमुख लोग निकले हैं। यहां के प्राचीन भवनों को देखकर भी इसकी भव्यता का एहसास होता है। सीजेआई ने मंच से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों का भी जिक्र किया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के जीवन और कार्यों ने वर्तमान भारत की नींव रखी। डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण केवल एक कानूनी दस्तावेज का मसौदा तैयार करने तक सीमित नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व से परिपूर्ण देश के निर्माण का एक नैतिक वादा था। बाबासाहेब के लिए संविधान समाज में व्याप्त असमानता और

अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। इससे पहले कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय भाषण में कविता के माध्यम से जस्टिस बीआर गवई के व्यक्तित्व को सबके सामने रखा।

उन्होंने विश्वविद्यालय के गरिमामयी इतिहास को भी सामने रखा। इससे पहले विश्वविद्यालय की 15 यूपी एनसीसी बटालियन ने अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। सेमिनार में मुख्य न्यायाधीश गवई को सम्मानपत्र प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय को शनिवार को तीन नए शैक्षणिक भवन भी मिले। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अन्य अतिथियों संग रसायन विज्ञान एवं केंद्रीय पुस्तकालय के नए भवनों तथा लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण भी किया।

अयोध्या की सरयू नदी में छोड़े जाएंगे कछुए

घाघरा और गंगा में डाले जाएंगे घड़ियाल
लखनऊ, 02 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या की सरयू नदी में बड़े पैमाने पर कछुए छोड़े जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इनका देखना शुभ माना जाता है। यूपी का वन्यजीव विभाग अयोध्या में श्रद्धालुओं को कछुओं के दर्शन के खास इंतजाम कर रहा है। डेढ़ साल पहले अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस से तस्करी करके ले जाए जा रहे 29 कछुए प्रजाति के इन कछुओं और घड़ियाल के शावकों को लखनऊ में रखा गया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कछुओं के शावक अब नदी में छोड़े जाने के योग्य हो चुके हैं। इसलिए इन्हें नवंबर माह में ही सरयू नदी में छोड़ दिया जाएगा। जबकि, अभी घड़ियाल के शावकों की लंबाई दो मीटर से कम होने के कारण ये नदी में छोड़े जाने लायक नहीं हुए हैं। कूर्म अवतार भगवान विष्णु का दूसरा अवतार माना जाता है, जिसमें वे कछुए (कूर्म) के रूप में प्रकट हुए थे। यह अवतार समुद्र मंथन की घटना के दौरान लिया गया था, ताकि मंदराचल पर्वत को सहारा दिया जा सके, जो मंथन के लिए मथनी का काम कर रहा था। इस तरह उन्होंने देवताओं को समुद्र से अमृत और अन्य चौदह रत्नों को प्राप्त करने में मदद की। वन विभाग ने घड़ियाल के 53 शावकों को बाराबंकी में घाघरा नदी और 54 को हस्तिनापुर (मेरठ) में गंगा में छोड़ने के आदेश भी दे दिए हैं। घड़ियाल के इन शावकों का जन्म 2023 में हुआ था। इन 107 घड़ियालों को नवंबर से फरवरी के बीच नदियों में छोड़ा जाएगा। कछुओं को नदी में छोड़ने से पहले उनके स्वास्थ्य की भी जांच की जाएगी। इसमें यह देखा जाएगा कि वे अपना भोजन स्वयं जुटाने में सक्षम हैं कि नहीं। कोई बीमारी तो नहीं। यह जांच वन्यजीव चिकित्सक करेंगे।

लोग और 108 वाहन वहाँ फँसे हुए हैं। ऊपर मुस्तांग में संपर्क का कोई माध्यम उपलब्ध नहीं है। बड़े-बड़े भूखलल हटाने का आवश्यकता होने के कारण इसमें सभ से कम 3 दिन और लगेंगे। उन्होंने कहा कि वहाँ फँसे अधिकांश पर्यटक भारत और दूसरे देशों के हैं। नेपाली टूर गाइड और विदेशी पर्यटकों का सही संख्या का भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि चूँकि वहाँ होटल और थार भी मौजूद हैं इसलिए सभी लोग सुरक्षित स्थान पर होंगे।

न्याया कुशल मिशन संभव बनाता है। सैन्य-लेखन का कानून है कि यह 'भविष्य का सतत लेखन घातक योद्धा' है। इसे बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जा सकता है। हालांकि यह तकनीक जिसे रोमांचक है, उसनी ही विवादित भी। पूरी तरह से सार्वजनिक इतिहास प्रणाली के इस्तेमाल से जवाबदेही, सुरक्षा और नैतिकता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्या सापेक्ष विना इसानी विवेक के सबसे बड़ा फैसला लोगों यह आने वाले समय की सबसे बड़ी बचत होगी एकस-बेट का सबसे बड़ा फीचर है इसका वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग सिस्टम। यानी इसे उड़ान भरने के लिए किए गएबैस या राने की जरूरत नहीं। यह सीधे जमीन या हवाज से उड़ सकता है। इसका मतलब है कि अब युद्ध क्षेत्र में किसी भी कठिन खलक से फाइटर जेट तेजात किए जा सकते हैं। यह खुद से मिशन तय कर सकता है, नौवेगेशन कर सकता है और यहां तक कि मानव-संचालित विमानों के साथ समन्वय में भी काम कर सकता है।



डिजिटल गोल्ड का बढ़ता चलन अब मोबाइल ऐप पर भी चमक रहा सोना

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में सोना सिर्फ एक निवेश नहीं, बल्कि भावनाओं का प्रतीक है। शादी-ब्याह से लेकर शुभ अवसरों तक, हर घर में कभी न कभी सोना खरीदा गया है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। पारंपरिक ज्वेलरी दुकानों की जगह अब मोबाइल ऐप्स ने ले ली है। पेटोएम, फोनपे और ग्रो जैसे प्लेटफॉर्म अब लोगों को सिर्फ 10 रुपए से 24 कैरेट सोने में निवेश की सुविधा दे रहे हैं। डिजिटल गोल्ड का अर्थ है ऐसा सोना जो ऑनलाइन खरीदा

डिजिटल गोल्ड अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता

जाता है, लेकिन असल में सुरक्षित वॉल्ट में एएमएमटीसी-पीएमपी या सेफगोल्ड जैसी कंपनियों द्वारा रखा जाता है। यानी आपका सोना मौजूद रहता है, बस वह आपके घर की बजाय सुरक्षित लॉकर में होता है। इसे कभी

भी खरीदा या बेचा जा सकता है, और रकम तुरंत बैंक खाते में आ जाती है। इसके मुकाबले फिजिकल गोल्ड अब भी भारतीयों की पहली पसंद है क्योंकि यह हाथ में होता है और जरूरत के समय तुरंत काम आता है। हालांकि, इसमें मेकिंग चार्ज, शुद्धता की जांच और चोरी का खतरा जैसी दिक्कतें भी हैं। वहीं, डिजिटल गोल्ड सुविधाजनक होने के बावजूद अभी तक आरबीआई या सेबी के रेगुलेशन के अंतर्गत नहीं आता और 2 लाख रुपए तक की सीमा रखता है। टेक्स के

मामले में दोनों समान हैं, तीन साल के भीतर बेचने पर मुनाफा आपको इनकम में जुड़ता है, जबकि तीन साल बाद 20 फीसदी लॉन टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है। छोटे निवेशकों के लिए डिजिटल गोल्ड एक आसान और सुरक्षित विकल्प बन रहा है। लेकिन जो लोग सोना पहनने या घर में रखने की सोचते हैं, उनके लिए असली सोना ही बेहतर रहेगा। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए सावरेन गोल्ड बांड भी टैक्स-फ्री और भरोसेमंद विकल्प हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

त्योहारों की रौनक से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.96 हजार ट्रिलियन पहुंचा



नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में बढ़ी खरीदारियों के चलते अक्टूबर माह में भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 हजार ट्रिलियन तक पहुंच गया। यह अब तक के सबसे ऊंचे मासिक संग्रह में से एक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में यह आंकड़ा 1.87 हजार ट्रिलियन था। सरकार के मुताबिक यह उछाल मुख्यतः नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान उपभोग में आई तेजी के कारण रहा। सितंबर 22 से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी, जिनमें रसाई उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन शामिल हैं। यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुई, जिससे उपभोक्ताओं को नई खरीदारी के लिए प्रोत्साहन मिला। घरेलू जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2 फीसदी बढ़कर 1.45 हजार ट्रिलियन रहा, जबकि आयात से राजस्व में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 50,884 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। दर कटौती और बढ़ी खरीदारियों के बीच सरकार को मिला रिकॉर्ड राजस्व रिफंड में तेज वृद्धि के चलते शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 हजार रुपए ट्रिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 0.2 फीसदी अधिक है। हालांकि वृद्धि दर पिछले महीनों के औसत 9 फीसदी से कम रही, परंतु त्योहारों की मांग ने अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान दिखाया है।



नई दिल्ली। जापान मोबिलिटी शो 2025 में सुजुकी ने अपने कोंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) इनिशिएटिव का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य भारत में बायोगैस के पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण अनकूल मोबिलिटी समाधान तैयार करना है। इस पहल के तहत कंपनी ने नया विक्टोरिस मॉडल पेश किया है। यह मॉडल आकार में बड़ा है और सीएनजी/सीबीजी पावरट्रेन के साथ आता है। इसमें गैस टैंक को फ्लोर के नीचे लगाया गया है, जिससे बूट स्पेस बढ़ जाता है। विक्टोरिस सीबीजी की लंबाई 4,360 मिमी, चौड़ाई 1,795 मिमी और ऊंचाई 1,655 मिमी है। सीएनजी और सीबीजी दोनों कम्प्रेस्ड मिश्रण गैस हैं, लेकिन उनके स्रोत अलग हैं। जहां सीएनजी एक नॉन-रिन्यूएबल फॉसिल पस्यूल है, वहीं सीबीजी जैविक पदार्थों जैसे कृषि अवशेष, गोबर और कचरे से बनने वाली नवीकरणीय गैस है। इस कारण सीबीजी पर्यावरण के लिए अधिक टिकाऊ और कार्बन-न्यूट्रल विकल्प माना जा रहा है। विक्टोरिस में 1.5-लीटर 4-सिलेंडर के 15 इंजन दिया गया है, जिसे बायोगैस के साफ दहन के लिए तकनीकी रूप से आग्रेड किया गया है। इसके मैनुअल वर्जन का माइलेंज 21.18 किमी/लीटर और ऑटोमैटिक वर्जन का 21.06 किमी/लीटर बताया गया है, जबकि ऑल-व्हील-ड्राइव वैरिएंट 19.07 किमी/लीटर देता है।

अक्टूबर में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में बढ़ी खरीदारियों के चलते अक्टूबर माह में भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 हजार ट्रिलियन तक पहुंच गया। यह अब तक के सबसे ऊंचे मासिक संग्रह में से एक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में यह आंकड़ा 1.87 हजार ट्रिलियन था। सरकार के मुताबिक यह उछाल मुख्यतः नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान उपभोग में आई तेजी के कारण रहा। सितंबर 22 से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी, जिनमें रसाई उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन शामिल हैं। यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुई, जिससे उपभोक्ताओं को नई खरीदारी के लिए प्रोत्साहन मिला। घरेलू जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2 फीसदी बढ़कर 1.45 हजार ट्रिलियन रहा, जबकि आयात से राजस्व में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 50,884 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रोजाना हुए 668 मिलियन ट्रांजेक्शन नई त्योहारों की रौनक से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.96 हजार ट्रिलियन पहुंचा दर कटौती और बढ़ी खरीदारियों के बीच सरकार को मिला रिकॉर्ड राजस्व रिफंड में तेज वृद्धि के चलते शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 हजार रुपए ट्रिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 0.2 फीसदी अधिक है। हालांकि वृद्धि दर पिछले महीनों के औसत 9 फीसदी से कम रही, परंतु त्योहारों की मांग ने अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान दिखाया है।

अगले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, 02 नवंबर (एजेंसियां)। सोमवार यानी 3 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच किए गए दो कंपनियों के आईपीओ में भी तीन और चार नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो पांच कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रहे हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 4 नवंबर को स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियन ब्रेंस गेराज वेंचर्स का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी दिन श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 68 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 6 नवंबर को फिनबड



फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का 71.68 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 10 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 140 रुपये से लेकर 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 50.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 11 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 13 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 नवंबर को पाइन लैब्स का का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड और आईपीओ के साइज के संबंध में अभी जानकारी नहीं दी गई है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,080 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 8,23,48,779 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14

नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन क्यूरिस लाइफ साइंसेज लिमिटेड का 27.52 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 128 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 21.50 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 30 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए स्टड्स एसेसरीज के 455.49 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 3 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 557 रुपये से लेकर 585 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 77,86,120 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पदयात्रा ने ...

प्रधानमंत्री ने राजद के शासनकाल को कट्टा, कूरता, कुशासन और भ्रष्टाचार का युग बताया। उन्होंने कहा कि उस दौर में सरकारी कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि का मतलब ज्यादा जबरन वसूली होता था। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने इस स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है और ईमानदारी, पारदर्शिता और जनकल्याण की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों ने छोटे किसानों की अनदेखी की, लेकिन मोदी सरकार ने उनकी चिंता की। उन्होंने बताया कि बिहार में 2 लाख किसानों के खातों में 650 करोड़ रुपये बिना किसी बिचौलिए के सीधे जमा किए गए हैं। भारत का... उन्होंने कहा कि सीएमएस-03 उपग्रह एक बहु-बैंड संचार प्रणाली है, जो भारतीय भूभाग और समुद्री क्षेत्र में 15 वर्षों तक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम है। इस प्रक्षेपण में हमें मौसम संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, फिर भी टीम ने इसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया। उन्होंने यह भी बताया कि पहली बार स्वदेशी सी-25 क्रायोजेनिक चरण को पुनः प्रज्वलित कर सफल परीक्षण किया गया। यह प्रयोग भविष्य में एक ही मिशन में कई उपग्रहों को अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। एलवीएम3-एम5 रॉकेट 4,000 किलोग्राम तक के भारी पेलोड को अंतरिक्ष में पहुंचाने में सक्षम है, इसलिए इसे इंबाहुबलीफ नाम दिया गया है। इस मिशन में उपग्रह को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया गया, जिससे वह भारत के विशाल समुद्री क्षेत्र को कवर करेगा। एसआईआर ... दबाव में काम कर रहा है, और बिहार की तरह तमिलनाडु में भी वोटर लिस्ट से

अल्पसंख्यकों और विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम हटाने की आशंका जताई गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का उल्लंघन है जिसमें कहा गया था कि आधार कार्ड को पहचान के लिए 12वां वैकल्पिक दस्तावेज माना जाए, न कि अनिवार्य। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि जब तक एसआईआर से जुड़ी सभी कमियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक इस प्रक्रिया को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, एआईएडीएमके (ओ. पन्नीरसेल्वम गुट), तमिलना गेवरी कडगम (टीवीके) और पट्टाली मकल कच्ची ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। इधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी एसआईआर के विरोध में 4 नवंबर को कोलकाता में विशाल मार्च निकालने की घोषणा की है। यह मार्च रेड रोड स्थित बी. आर. आंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर जोरासांको स्थित रवींद्रनाथ टैगोर निवास तक जाएगा। मुवक्किल के ... पीठ ने एक अमेरिकी अदालत के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि - वकीलों को परेशान करना सरकार के अधिनायकवादी स्वरूप की ओर बढ़ता कदम है। अदालत ने कहा कि किसी भी वकील को अपने मुवक्किल से जुड़े कानूनी मामलों या संवाद का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यह विशेषाधिकार कंपनियों, संस्थाओं और फर्मों को दी गई कानूनी सलाह पर भी लागू होगा। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई वकील मुवक्किल के साथ अपराध में सक्रिय रूप से शामिल रहा हो या षड्यंत्र में भागीदार हो, तो उसे छूट नहीं मिलेगी। ऐसे मामलों में, वकील को समन जारी करने से पहले एसपी रैंक से ऊपर के अधिकारी की लिखित अनुमति आवश्यक होगी। जस्टिस विनोद चंद्रन ने यह भी कहा कि जो वकील किसी कॉर्पोरेट कंपनी में पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में काम करते हैं, वे अधिवक्ता

अधिनियम, 1961 के तहत अधिवक्ता की श्रेणी में नहीं आते, इसलिए उन पर यह विशेषाधिकार लागू नहीं होगा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि किसी वकील के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाते हैं, तो निचली अदालत की निगरानी में ही जांच की जाए और अपराध से असंबंधित किसी भी मुवक्किल-वकील संवाद का खुलासा न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यह सुरक्षा व्यवस्था उन गिने-चुने पथभ्रष्ट लोगों की नहीं, बल्कि उस विशाल बहुमत की रक्षा के लिए है जो दिन-रात न्याय व्यवस्था को मजबूत करने में लगा है। बिहार में ... शाह ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि जो दल अपने ही अंदर एकता नहीं रख सकते, वे बिहार को कैसे एकजुट रखेंगे। उन्होंने दावा किया कि बिहार की सुरक्षा, विकास और समृद्धि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही संभव है। विपक्ष की मंशा फिर से अपराध, भ्रष्टाचार और कुशासन के उस दौर को लाने की है जिसे बिहार ने पीछे छोड़ दिया है, शाह ने कहा। उन्होंने बिहार की जनता से एनडीए गठबंधन को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि यह गठबंधन विकास, रोजगार और सुरक्षा की गारंटी देता है। गृह मंत्री शाह ने रैली में बिहार के लिए कई नई परियोजनाओं की घोषणा की कि महुआ में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। 1243 एकड़ में विशाल औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा, जिससे हज़ारों लोगों को रोज़गार मिलेगा। साथ ही, गंगा पर छह लेन का कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल, गांधी सेतु का पुनर्निर्माण, बेतिया-पटना राजमार्ग, गंडक नदी पर पुल, अमाश-दरभंगा एक्सप्रेसवे और वैशाली तक चंदे भारत ट्रेन सेवा जैसी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। अमित शाह ने हाजीपुर को स्वर्गीय रामविलास पासवान की कर्मभूमि बताते हुए कहा कि यह भूमि हमेशा

लोकतंत्र और जनसेवा की प्रेरणा देती रही है। खड़े ट्रक में घुसा... टेंपो ट्रेवलर के परखच्चे उड़ गए और कई शव सीटों व लोहे के ढांचे में फंस गए। स्थानीय लोगों और एसडीआरएफ दल ने मौके पर पहुंचकर घायलों व शवों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। फलोटी थाना अधिकारी अमानाराम ने बताया कि मृतक और घायल सभी एक ही इलाके - सूरसागर, जोधपुर - के निवासी थे। ये लोग परिवार सहित कोलायत दर्शन कर लौट रहे थे, तभी हनुमान सागर चौराहे के पास हादसा हुआ। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि टेंपो ट्रेवलर की रफ्तार काफी तेज थी और दृश्यता कम होने के कारण चालक को सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया, जिससे यह हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरा शोक जताया। उन्होंने झुपकसफ (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा फलोटी के मतोड़ा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। नारी शक्ति ने... यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चैंपियन खिलाड़ियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, विश्व विजेता महिला क्रिकेट टीम इंडिया को सलाम! यह राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण है, जब हमारी टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम किया है, जिससे भारत का गौरव नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। आपकी शानदार क्रिकेट प्रतिभा ने लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। पूरी टीम को हार्दिक बधाई!



फिल्म पेड़ी से जान्हवी कपूर का जबरदस्त लुक हुआ वायरल

हाल ही में 'पेड़ी' के निर्माताओं ने फिल्म से 'अच्ययम्मा' बनी जान्हवी कपूर का पहला दमदार लुक रिलीज़ किया है, जिसमें वह काफी निडर और बेखौफ़ नज़र आ रही हैं। मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान के संगीत से सजी फिल्म 'पेड़ी' का निर्देशन बुच्ची बाबू सना ने किया है और जान्हवी के ऑपोज़िट हैं साउथ के पावर स्टार राम चरण। गौरतलब है कि इन नए पोस्टर में जान्हवी दो बेहद प्रभावशाली अवतारों में दिखाई दे रही हैं, इनमें एक में जहां वह भीड़ के बीच

जीप के ऊपर खड़ी होकर कमांड लेती दिखाई दे रही हैं, वहीं दूसरे पोस्टर में वह एक विंटेज माइक्रोफोन के पीछे खड़ी हैं। इन दोनों पोस्टर में उनके आत्मविश्वास और शक्ति प्रभाव के साथ उनकी तीखी निगाहों में एक साथ कोमलता और दृढ़ता दोनों दिखाई दे रही है।

जान्हवी कपूर की ये झलकियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि उनका अच्ययम्मा का यह किरदार भावनात्मक गहराई और जज़्बाती उबाल दोनों से भरपूर है और यह भूमिका उनके

करियर की सबसे दमदार परफॉर्मेंस में से एक साबित होगी।

वेंकटा सतीश किलारू और ईशान सक्सेना के वृद्धि सिनेमाज़ और मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी ये फिल्म 27 मार्च 2026 को पूरे भारत में रिलीज़ होगी। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि ए. आर. रहमान के संगीत, बुच्ची बाबू सना के निर्देशन और राम चरण-जान्हवी कपूर की नई जोड़ी, इन तीनों के संगम से बनी 'फिल्म पेड़ी' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी।

फिल्म सिंगल सलमा को सीमित स्क्रीन मिलने से हुमा कुरैशी हुई नाराज

समान अवसर की उठाई मांग



भारत का फिल्म उद्योग काफी बड़ा है। यहां हर हफ्ते कई भाषाओं में नई फिल्में रिलीज होती हैं। कुछ फिल्में बड़े बजट और मशहूर सितारों के साथ आती हैं। कुछ छोटी और कहानी प्रधान फिल्में सीमित संसाधनों के साथ बनाई जाती हैं। इन छोटी फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती होती है, थिएटर में जगह मिलना। बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टार से सजी फिल्मों के बीच, इन फिल्मों को अक्सर सीमित स्क्रीन और कम शो टाइम मिलते हैं। यही वजह है कि कई बार अच्छी कहानी होने के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई, जब उनकी फिल्म 'सिंगल सलमा' को देशभर में बहुत सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को पर्याप्त थिएटर नहीं मिल पाए। उन्होंने लिखा, 'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं, न ही करोड़ों रुपए का मार्केटिंग बजट। ऐसी स्थिति में इन फिल्मों को थिएटरों में अपनी जगह बनाना और दर्शकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाता है। आज भी सिस्टम उन फिल्मों को प्राथमिकता देता है जो पहले से ही सुरक्षित मानी जाती हैं, यानी बड़ी बजट और स्टार वाली फिल्में।

इंडस्ट्री को एक संतुलित व्यवस्था की जरूरत है, जहां हर फिल्म, चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे समान अवसर मिले। हुमा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा शुरू कर दी। देश के कई शहरों जैसे लखनऊ, पटना, दिल्ली और कोलकाता के फैस ने उनकी बात का समर्थन किया। लोगों ने थिएटर मालिकों से अपील की कि 'सिंगल सलमा' के शो बढ़ाए जाएं ताकि ज्यादा दर्शक इसे देख सकें।

कई दर्शकों ने अपने टिकट बुकिंग ऐस के स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिनमें दिख रहा है कि फिल्म के शो या तो हाउसफुल हैं या उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि लोग फिल्म देखना चाहते हैं, लेकिन स्क्रीन की कमी के कारण मौका नहीं मिल पा रहा। हुमा के बयान ने फिल्म इंडस्ट्री के भीतर भी एक अहम चर्चा को जन्म दिया है। कई लोग मानते हैं कि थिएटरों में फिल्मों के वितरण को लेकर एक संतुलित और न्यायपूर्ण सिस्टम की सख्त जरूरत है।

बड़ी फिल्मों को तो हमेशा पर्याप्त जगह मिल जाती है, लेकिन छोटी फिल्मों के लिए स्क्रीन मिलना किसी चुनौती से कम नहीं होता। अगर वितरण प्रक्रिया में सुधार हो जाए, तो कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ नए कलाकारों और निर्देशकों को फायदा होगा, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग और बेहतर कहानियां देखने को मिलेंगी।

सोनाली कुलकर्णी : सात भाषाओं में फिल्में कर दर्शकों के दिलों पर किया राज

हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। पुणे की रहने वाली सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में कन्नड़ फिल्म 'चेलुवी' से की थी। महाराष्ट्र के पुणे में 3 नवंबर 1974 को जन्मी सोनाली कुलकर्णी के करियर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं में काम किया। कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में उनकी फिल्मों ने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। यही कारण है कि उन्हें लोग 'बहुभाषी सुपरस्टार' भी कहते हैं। इस बहुभाषी सफर ने उन्हें अलग-अलग फिल्मों और शैलियों में काम करने का मौका दिया। उनके करियर में हिंदी और मराठी फिल्मों के साथ-साथ हॉलीवुड और यूरोप की फिल्मों भी शामिल हैं। सोनाली का बचपन से ही पढ़ाई और अभिनय दोनों में रुचि थी।

उन्होंने पॉलिटेक्निक साइंस में ग्रेजुएशन किया और मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप भी मिली। इसके साथ ही सोनाली भरतनाट्यम में भी प्रशिक्षित रही हैं और उन्होंने इसके लिए 11 साल तक कड़ी ट्रेनिंग ली।

शुरुआती दिनों में उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई और एक्टिंग के बीच संतुलन बनाने की

कोशिश की थी। उन्हें यह पहला ऑफर मिलने पर थोड़ी हिचकिचाहट भी हुई थी, क्योंकि उनके मन में क्लास मिस होने का डर था। लेकिन निर्देशक गिरिश कर्नाड के समझाने के बाद उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी। यही फिल्म उनके करियर का पहला कदम साबित हुई, और इसके दमदार अभिनय की वजह से फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड जीता और कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई।

सोनाली की पहली मराठी फिल्म 'मुक्ता' थी, जो साल 1994 में आई। इसके बाद उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों में उनका नाम 'दिल चाहता है', 'मिशन कश्मीर', 'डरना जरूरी है', और 'सिंघम' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है।

मराठी फिल्मों में उनकी लोकप्रियता भी कम नहीं रही। फिल्में जैसे 'दे-वराई', 'दोघी', 'कैदी', 'घराबहेर', 'सखी', और 'देऊल' दर्शकों को काफी पसंद आईं।

सोनाली केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहीं। वह एक सफल कॉलमनिस्ट भी हैं। उन्होंने मराठी समाचार पत्र में 'सो कूल' नाम का कॉलम लिखा, जिसे पाठकों ने बहुत पसंद किया। उनके लेख इतने मशहूर हुए कि



लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली कुलकर्णी को उनके बहुभाषी करियर और अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। इटालियन फिल्म 'फुओको दी सु' के लिए उन्हें 2006 में मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा, उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

'चैत्र' जैसी फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो सोनाली की पहली शादी मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से हुई थी, लेकिन बाद में तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने 2010 में नचिकेत पंतवैद्य से शादी की, जो सोनी एंटरटेनमेंट टीवी के हेड हैं। उनकी एक प्यारी बेटी भी है। सोनाली कुलकर्णी आज भी फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी में सक्रिय हैं। उनकी बहुभाषी प्रतिभा ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक अनोखा और प्रेरणादायक चेहरा बना दिया है।

काजल राघवानी ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, दिखेगा भक्ति और आस्था का मिलन



भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस काजल राघवानी फिल्मों और गानों में सक्रिय हैं। काजल का लेटेस्ट रिलीज गाना 'पायल घुंघरू वाला' 3 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है। अब काजल ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और फिल्म का नाम भी फैस के सामने रिवील कर दिया है। काजल राघवानी ने सोशल मीडिया अपडेट किया है और नई फिल्म से जुड़ी जानकारी शेयर की है। फोटो में एक्ट्रेस हाथ में फिल्म का बोर्ड लिए खड़ी है, जिस पर लिखा है आस्था छठी मईया। काजल की अपकॉमिंग फिल्म में उनका लुक काफी सिंपल है। फोटो में वे सिंपल प्रिंटेड साड़ी और मिनिमल मेकअप लुक में दिख रही हैं। फैस भी काजल को उनकी नई फिल्म के लिए

शुरुआत करती हूं, आप क्षमा करके शुरुआत करें। यदि मैंने कुछ गलत किया हो और आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई हो तो मैं इस वर्ष के अंतिम दिनों में ईमानदारी से माफी मांगती हूं।

बात अगर फिल्मों की करें तो यूट्यूब पर काजल की बैक टू बैक फिल्में रिलीज हो गई हैं, जिनमें 'बड़ी दीदी-2', 'भोजी', 'अमीरों का दहेज', 'दहेज और दुल्हन' और 'गुजराती बहू' शामिल हैं। इसके अलावा कई फिल्मों की शूटिंग चल रही है। एक्ट्रेस 'पति तंग बीवी दबंग' और अरविंद अकेला कलू के साथ 'प्रेम विवाह' फिल्म में दिखेंगी। 'पति तंग बीवी दबंग' जल्द ही रिलीज होने वाली है।

दिल से बधाई दे रहे हैं। छठ पर्व के मौके पर काजल राघवानी का छठ गीत 'दुख सुनी दीनानाथ' भी रिलीज हुआ था। गीत को सिंगर सृष्टि भारती की आवाज ने भक्ति से भर दिया।

सोशल मीडिया पर गीत को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला। भक्ति गीतों के अलावा काजल के दूसरे जॉनर के गाने भी रिलीज हो चुके हैं। उनका गाना 'लड़का ना चाही डिफेंडर वाला' काफी विवादों में रहा था, क्योंकि यूजर्स ने गाने को खेसारी लाल यादव से जोड़ दिया था।

काजल ने खुद आकर सफाई दी थी कि गाने का खेसारी से कोई लेना-देना नहीं। इससे पहले काजल ने गुजराती नव वर्ष के मौके पर सभी से माफी मांगी थी। उन्होंने लिखा था, मैं माफी मांगकर

रोशनी चोपड़ा : छोटे पर्दे की शानदार कलाकार, बिजनेसवुमेन बन दिखाया रास्ता



टीवी सीरियल 'कसम से' से घर-घर अपनी पहचान बनाने वाली रोशनी चोपड़ा के आज भी हजारों फैस हैं। एक्ट्रेस अपने दो बच्चों और पति के साथ लक्जरी लाइफ जी रही हैं। उसकी झलकियां इंस्टाग्राम पर भी शेयर करती रहती हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पर्दे से दूर होने के बाद भी एक्ट्रेस अपने पैरों पर खड़ी हैं और बिजनेसवुमेन बन चुकी हैं। रोशनी खुद का क्लोथिंग ब्रांड 'द रोशनी चोपड़ा डिजाइन्स' चलाती हैं। रोशनी चोपड़ा का जन्म 2 नवंबर को नई दिल्ली में हुआ था। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में करने के बाद दुबई में जाकर आगे की स्टडी की। रोशनी चोपड़ा ने मॉडलिंग और क्रिकेट मैच होस्टिंग शो से करियर की शुरुआत की। उन्हें पहचान टीवी से मिली थी। टीवी पर डेब्यू करने से पहले रोशनी को साल 2004 में आई फिल्म 'लेट्स एनॉयर्स' में देखा गया। यह एक्ट्रेस के करियर की पहली फिल्म थी, जो सफल नहीं हुई। उन्होंने साल 2005 और 2006 में दूरदर्शन पर 'फोर्थ अंपायर' शो में एंकरिंग की और क्रिकेट प्रेमियों के बीच पॉपुलर हो गईं। इसी बीच उनकी झोली में टीवी सीरियल 'कसम से' आया। इस सीरियल में रोशनी ने 'पिया' नाम की लड़की का रोल प्ले किया था, जो बहुत पॉपुलर हुआ।

साल 2010 में उन्होंने 'दिल जीतेगी देसी गर्ल' में हिस्सा लिया। यह शो इमेजिन टीवी का सबसे पॉपुलर रियलिटी शो था, जिसमें टीवी की बड़ी फीमेल कैरेक्टर को गांव में रहकर टास्क पूरा करना होता था। इस शो की विनर रोशनी रही थी। उन्होंने काम जारी रखा और 'फिर', 'कॉमेडी सर्कस का नया दौर', 'अदालत' और 'प्यार में ट्विस्ट' जैसे प्रोजेक्ट्स में देखी गईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को साल 2018 में शो 'द ड्रामा कंपनी' में देखा गया था।

रोशनी ने अपने करियर को बनाने में बहुत मेहनत की है और परिवार ने भी पूरा साथ दिया। एक इंटरव्यू में रोशनी के पिता ने बताया था कि उन्हें अपनी बेटी की बहुत चिंता होती थी कि वह सेट पर कैसे काम करेगी। एक्ट्रेस के पिता सेट पर उनके लिए सैंडविच लेकर खड़े रहते थे, और रोशनी को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आती थी, लेकिन उनके पिता भी उन्हें खाना खिलाकर ही वापस घर जाते थे।

नातिन मतारा को 'ओम' का जाप सिखा रही नीना गुप्ता

हर साल जन्मदिन एक खास मौका होता है, जब लोग अपने जीवन की खुशियों को मनाते हैं और अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं। यह दिन सिर्फ उम्र बढ़ने का प्रतीक नहीं होता, बल्कि अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तों के महत्व की भी याद दिलाता है। इस खास मौके पर मशहूर फैशन डिजाइनर और अभिनेत्री मसाबा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर जीवन के कुछ बेहद प्यारे पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने पोस्ट में अपनी साधारण खुशियों की झलक दिखाई। मसाबा ने अपने जन्मदिन के पोस्ट में दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उनकी मां और वरिष्ठ अभिनेत्री नीना गुप्ता अपनी नातिन मतारा को 'ओम' का जाप सिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में नीना गुप्ता बेड पर बैठी हैं और बहुत प्यार और धैर्य के साथ अपनी नातिन को 'ओम' बोलना सिखा रही हैं। मसाबा ने अपनी पोस्ट में

इस पल को दिल को छू लेने वाला बताया। जन्मदिन के मौके पर मसाबा को फिल्म और फैशन इंडस्ट्री के कई दोस्तों और सितारों से ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं। करीना कपूर खान, सोनम कपूर, और अनन्या पांडे जैसी बड़ी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की बधाई दी।

मसाबा गुप्ता के बारे में बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फैशन डिजाइनिंग से की और जल्द ही अपनी रचनात्मक सोच और अलग अंदाज के लिए जानी जाने लगीं। उन्होंने मुंबई में अपने पहले कलेक्शन का नाम 'कतरन' रखा, जो छोटे कपड़ों के टुकड़ों से प्रेरित था। उनका लैकमे फैशन वीक 2014 का कलेक्शन 'वंडरेसेस' रोमन पायने के उपन्यास में एक जिप्सी लड़की के किरदार से प्रेरित था। मसाबा अपने प्रत्येक कलेक्शन को हटकर नाम देती हैं।

मसाबा महिलाओं के ट्रेडिशनल आउटफिट्स में



माहिर हैं और रेशम, शिफॉन और सूती जैसे कपड़ों के साथ कढ़ाई और अनोखे प्रिंट्स का इस्तेमाल करती हैं। उनके डिजाइन में स्त्रीलिङ्ग सिल्हूट्स और ड्रैप्स की खासियत भी दिखाई देती है। उन्होंने मेबेलिन न्यूयॉर्क और लेवी जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ मिलकर खास कलेक्शन बनाए और 2017 में लेवी की प्रदर्शनी में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मसाबा ने फैशन के साथ-साथ एक्टिंग में भी अपनी किस्मत आजमाई। वह 2019 में रियलिटी शो 'एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' में जज बनी, जहां उन्होंने युवा मॉडलों को मार्गदर्शन और फैशन के टिप्स दिए। इसके बाद 2020 में नेटफ्लिक्स ने उनकी और उनकी मां नीना गुप्ता की जिंदगी पर आधारित सीरीज 'मसाबा मसाबा' बनाई। इस शो में मसाबा ने खुद अपना किरदार निभाया। इसमें उनके फैशन करियर, व्यक्तिगत जीवन और मां-बेटी के रिश्ते की झलकियां दिखाई गईं।

